RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 111 , गुरुवार, 04 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

साइकिल रैली के माध्यम से दिया गया स्वास्थ्य और पर्यावरण का संदेश 03

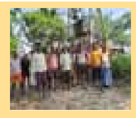

ट्रांसफार्मर जलने से दो दिनों से अंधेरे में डूबा इलाका, उपभोक्ताओं में आक्रोश 04

ईशा गुप्ता ने देसी आउटफिट में गिराई बिजली एक्ट्रेस की दिलकश... 07

दिल्ली के होटल में भीषण 'अग्निकांड'

● 21 लोगों की मौत, 40 लोगों को बचाया गया ● मरने वालों में ज्यादातर विदेशी नागरिक शामिल ● अधिकारी बोले-बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 विदेशी नागरिक हैं। जो बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के हैं। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफीसर अभिलाष मलिक ने कहा, फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। हीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे। बेसमेंट से भी 6 से ज्यादा लोगों को निकाला गया। 40 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में अलग-अलग घटनाओं में 66 की मौत हो चुकी है।

होटल में 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे थे

फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमीशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे। आग लगने के बाद होटल के रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। इसमें अंदर जाने और बाहर निकलने का रास्ता एक ही था, जो बहुत संकरा था होटल के पास फायर एनओसी नहीं थी। आने-जाने का भी एक ही रास्ता था।

● **मालवीय नगर अग्निकांड में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज**- मालवीय नगर होटल अग्निकांड केस में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक होटल में आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता था। अब होटल के फायर सेफ्टी एनओसी और सुरक्षा इंतजामों की जांच की जा रही है। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर रेस्तरां और ऊपर की मंजिलों पर होटल था।

आग 6 मंजिल तक पहुंची

आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और एम्स भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे। मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटीलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है। एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं एम्स में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी। एक व्यक्ति पैर टूट गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय मूल की लड़की ने सुधारी ऑक्सीमीटर की खामी

● पल्स ऑक्सीमीटर के गोरे-काले का भेद खत्म किया; पहले ऑक्सीजन लेवल गलत बताता था

लुधियाना (एजेंसी)। अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाला पल्स ऑक्सीमीटर गोरे-काले लोगों का ऑक्सीजन लेवल चेक करने में भेदभाव कर रहा था। यह गोरे लोगों का ऑक्सीजन लेवल सही बताता है। जबकि, काले और सांवले लोगों का ऑक्सीजन लेवल गलत बताता रहा। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। कनाडा में रहने वाली पंजाब मूल की 17 साल की स्टूडेंट गुरनूर कौर ने इस लाइफ-सेविंग मशीन के मैथमेटिकल फॉर्मूले में सुधार करके इस 53 साल पुरानी गलती को हमेशा के लिए ठीक कर दिया है। गुरनूर की इस खोज 'इगेनपल्स' के बाद अब ऑक्सीमीटर बिना किसी रंगभेद के हर इंसान के खून में ऑक्सीजन की 100 फीसदी सटीक मात्रा बताएगा। इस ऐतिहासिक कामयाबी के लिए गुरनूर को कनाडा के सबसे बड़े नेशनल साइंस फेयर में बेस्ट प्रोजेक्ट अवॉर्ड फॉर इनोवेशन से सम्मानित किया गया है। **गुरनूर ने मैथमेटिकल फॉर्मूले से दूर की समस्या**- 11वीं में पढ़ने वाली गुरनूर ने इस घिसी-पिटी सोच से हटकर कुछ अलग करने की ठानी। उन्होंने इस मशीन के काम करने के पूरे तरीके और इसके पीछे के विज्ञान को खंगाला। गुरनूर ने अपनी रिसर्च में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि समस्या सिर्फ डेटा की कमी की नहीं है, बल्कि उस मैथमेटिकल फॉर्मूले में ही एक बहुत बड़ा लोचा है।

पश्चिम बंगाल में ममता दीदी के साथ बड़ा 'खेला'

● टूट गई पार्टी,58 विधायकों ने अलग गुट बनाया ● ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ममता की टीएमसी में फूट पड़ गई है। सोमवार को पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी के 58 बागी एमएलए ने विधायक दल का नेता घोषित किया। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलकर समर्थन पत्र भी सौंपा। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता बनाया गया है। वहीं अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है। सोमवार को अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर स्पीकर को भेजे गए पत्र में शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने का प्रस्ताव भेजा था। विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की थी कि इस प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर फर्जी हैं। शिकायत के बाद ममता ने दोनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पार्टी के भीतर बगावत के बीच ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य की सभी कमेटियों और फ्रंटल संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।

एमपी के चंबल सैंक्चुरी में नहीं रुक रहा अवैध खनन

● सुप्रीम कोर्ट की रोक बेअसर, रात 12.59 बजे खनन ● खुर्द घाट का डेट-टाइम वाला सामने आ गया वीडियो

मुरैना (एजेंसी)। मुरैना जिले की चंबल सैंक्चुरी से अवैध तरीके से रेत निकालने का एक और वीडियो सामने आया है। यह वीडियो 2-3 जून की दरमियानी रात करीब 12.59 बजे महुआ थाना क्षेत्र के खुर्द घाट का बताया जा रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि लोडर मशीन से रेत निकाली जा रही है और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरा जा रहा है। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने इसमें खनन का टाइम और डेट भी डाला है। वहीं वीडियो सामने आने के बाद संबंधित विभागों में हलचल बढ़ गई है। देवरी घड़ियाल अभयारण्य के अधीक्षक श्याम सिंह चौहान ने बताया कि विभाग को वीडियो और अवैध खनन की सूचना मिली है। मामले की जांच के लिए वन विभाग और महुआ पुलिस के सहयोग से संयुक्त टीम रवाना की गई है। वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले ही सख्त रुख अपना चुका है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन को अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

● **एमपी, यूपी और राजस्थान सरकार को लगाई थी फटकार**- राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य में अवैध रेत खनन और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों की कार्रवाई अभी भी नाकाफी है। बिना नंबर प्लेट वाले वाहन खुलेआम रेत परिवहन कर रहे हैं। कोर्ट ने 6 महीने के भीतर निगरानी तंत्र विकसित करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अवैध खनन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की जब्ती के निर्देश दिए हैं।

सूर्या की मौत के बाद ऐक्शन में योगी सरकार

● मदरसे पर चला बुलडोजर, 850 जवान रहे तैनात

● इलाके में फ्लैग मार्च,2 मदरसों की बिजली काटी गई

गाजियाबाद (एजेंसी)। सूर्या चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद के एनकाउंटर के बाद गाजियाबाद में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। खोड़ा से करीब 15 किलोमीटर दूर मसूरी क्षेत्र में बुलडोजर चलाकर एक मदरसे को ध्वस्त किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि यह मदरसा सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। इससे पहले सूर्या चौहान के इलाके खोड़ा में भी बुलडोजर पहुंचा था, लेकिन बाद में अधिकारी उसे लेकर मसूरी क्षेत्र में पहुंच गए। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और रैपिड रिस्पांस फोर्स के 850 जवान पूरे इलाके में तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रशासन अवैध निर्माणों और संपत्तियों की जांच में जुटा हुआ है। अब तक 1,600 से अधिक लोगों का सत्यापन किया जा चुका है और संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड और डीएम रविंद्र मांदड़ की मौजूदगी में अल्पसंख्यक विभाग ने दो अन्य मदरसों को भी सील कर दिया था। इन मदरसों के संचालकों समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही, दोनों मदरसों की बिजली आपूर्ति भी काट दी गई थी।

'नेबरहुड फर्स्ट नीति को जल्द मिलेगी नई रफ्तार

● पीएम मोदी से मिले नेपाल के आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नेपाल के रिश्तों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा संदेश दिया है। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने दोनों देशों के साझा और समृद्ध भविष्य के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि रवि लामिछाने से मुलाकात का अवसर पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने कहा कि नेपाल के साथ मिलकर साझा समृद्धि और विकास के लिए काम करने की उनकी आकांक्षा का वह स्वागत करते हैं।

साइप्रस को ब्रह्मोस मिलने के डर ने बदले तुर्की के सुर

● भारत की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ,कहा-अच्छे संबंध चाहते हैं

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की रेसेप तैयप एर्दोगन सरकार के सुर भारत को लेकर बदल गए हैं। तुर्की के विदेश मंत्री ने भारत से नाराजगी दूर करने और अच्छे संबंध बनाने की बात कही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि भारत-तुर्की संबंधों के बीच में पाकिस्तान नहीं आना चाहिए। तुर्की का यह बदला हुआ रुख तब दिखा है, जब तुर्की के कट्टर दुश्मन साइप्रस ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें और कामिकाज ड्रोन खरीदने की तरफ तेजी से कदम बढ़ाए हैं। तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने एक कार्यक्रम में भारत-तुर्की संबंधों पर हुए एक सवाल पर कहा, अगर भारत को इस बात से नाराजगी है कि हमारे पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध हैं तो ऐसे तो कई देश हैं, जिनके इस्लामाबाद के साथ करीबी रिश्ते हैं। पाकिस्तान से रिश्ते को आपसी संबंधों के बीच में नहीं लाया जाना चाहिए। फिदान ने आगे कहा कि द्विपक्षीय स्तर पर भारत के साथ हमारी कोई समस्या नहीं है। हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह इस पर बात करे।

बिहार में मोदी सरकार खर्च करेगी 4000 करोड़

● खगड़िया-भागलपुर-कटिहार-पूर्णिया की बदलने जा रही किस्मत

पटना (एजेंसी)। बिहार के बुनियादी ढांचे और सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने राज्य के चार प्रमुख जिलों- खगड़िया, भागलपुर, कटिहार और पूर्णिया की किस्मत बदलने वाली एक महापरियोजना को हरी झंडी दी। इसके तहत एनएच-31 और एनएच-231 के 143.529 किलोमीटर लंबे खगड़िया-पूर्णिया खंड को अपग्रेड किया जाएगा। लगभग 4000 करोड़ रुपये (3936.05 करोड़) की भारी-भरकम लागत से बनने वाला यह फोरलेन कॉरिडोर बिहार के आर्थिक और सामाजिक विकास को एक नई रफ्तार देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई।

● **4 लेन का होगा खगड़िया-पूर्णिया रोड**- इस परियोजना से औसत यात्रा गति बढ़ेगी। यात्रा का समय लगभग दो घंटे कम होगा। सड़क सुरक्षा, ईंधन दक्षता और वाहन परिचालन लागत में सुधार होगा। जिससे क्षेत्रीय आवागमन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। ये परियोजना बिहार भर में प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निर्बाध रूप से जोड़ती है।

अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आईलैंड पर बोला हमला

● बदले में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद बीती रात सबसे बड़े सैन्य टकरावों में से एक देखने को मिला। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम और परमाणु वार्ता दोनों पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का कहना है कि जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध और नाकेबंदी का पालन नहीं किया था। इसके जवाब में ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। हालांकि हालात तब ज्यादा गंभीर हो गए जब अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केशम द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया।

डीके शिवकुमार बन गए कर्नाटक के सीएम

● संविधान हाथ में लेकर शपथ,जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

सिद्धारमैया के बेटे समेत 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

बेंगलुरु (एजेंसी)। डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं। शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

कांग्रेस नेताओं ने की डीके शिवकुमार की तारीफ- सोनिया गांधी ने शपथ लेने से पहले डीके शिवकुमार को फोन पर बधाई दी। कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के नए सीएम डीके शिवकुमार की जमकर तारीफ की। कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी को मजबूत बनाने में शिवकुमार ने लगातार अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जब भी राज्य में पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है शिवकुमार ने हमेशा कांग्रेस को आगे बढ़ाने में मदद की है। उन्हें अपने राज्य के बाहर भी एक जुझारू नेता के तौर पर जाना जाता है। उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में भी है जो दूसरों के सुख-दुख में शामिल होते हैं। समारोह में शामिल होने के लिए बेंगलुरु पहुंचे मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शासन और पार्टी संगठन, दोनों में शिवकुमार की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक का हर निवासी सिद्धारमैया के कार्यकाल में राज्य की आर्थिक प्रगति और विकास पर गर्व महसूस करता है। कांग्रेस को सत्ता में लाने में डीके शिवकुमार ने अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर गंडक पुल से बच्चों का खतरनाक स्टंट:वीडियो वायरल, लोग बोले- '4 लाख का चेक तैयार है'

हाजीपुर। हाजीपुर-सोनपुर गंडक पुल से बच्चों द्वारा खतरनाक स्टंट करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग इसे बेहद खतरनाक बता रहे हैं और टिप्पणी कर रहे हैं कि '4 लाख रुपए का चेक तैयार है'। यह टिप्पणी इस ओर इशारा करती है कि यदि स्टंट के दौरान कोई दुर्घटना या मौत होती है, तो आश्रित परिवार को सरकारी खजाने से 4 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाता है। वायरल वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया गया है। यह स्टंट हाजीपुर-सोनपुर के पुराने गंडक पुल पर किया गया, जहां चार-पांच बच्चे खतरनाक तरीके से स्टंट करते हुए कैमरे में कैद हुए। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक के बाद एक दो बच्चे गंडक नदी में छलांग लगाते हैं। तीसरा बच्चा संशय में दिख रहा है, क्योंकि पुल से नदी की गहराई लगभग 40 से 50 फुट है। पहले और दूसरे लड़के अन्य बच्चों को छलांग लगाने के लिए बार-बार इशारा कर रहे थे। पुल से बच्चे नदी में लंबी छलांग लगा रहे थे। गौरतलब है कि गंडक पुल के दोनों ओर पुलिस बल तैनात रहता है। एक तरफ हाजीपुर नगर थाने की पुलिस और दूसरी तरफ छपरा जिले की सोनपुर पुलिस की तैनाती होती है। इसके बावजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा इस तरह की गतिविधियों की अनदेखी की जा रही है। इसी पुल से पहले भी कई बार युवक-युवतियों ने आत्महत्या के इरादे से छलांग लगाई है। हालांकि, कई मौकों पर हाजीपुर पुलघाट पर तैनात एसडीआरएफ टीम ने उनकी जान बचाई है। इस घटना के बाद, वहां से गुजरने वाले लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि यदि पुल पर पुलिसकर्मियों को ठीक से तैनात किया जाए, तो ऐसी असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

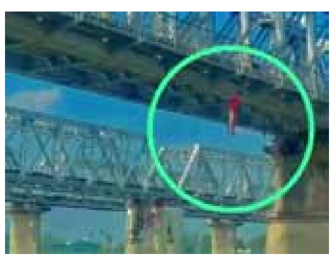

पिकअप ने व्यक्ति को रौंदा, मौत, वैशाली में नाराज स्थानीय लोगों ने बांस लगा किया सड़क जाम

हाजीपुर। वैशाली के कटहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत चेहराकलां मुख्यालय चौक पर एक तेज रफ्तार बालू लदी पिकअप ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। इस हादसे में 45 वर्षीय मिंटू राय की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने सड़क पर शव रखकर टायर जलाए और बांस लगाकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी मृतक के परिजनों के लिए उचित मुआवजे और पिकअप चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। मृतक के भाई महेंद्र राय ने बताया कि मिंटू राय सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस सड़क पर अनियंत्रित वाहनों का परिचालन होता है और पुलिस प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता, जिससे आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। महेंद्र राय ने पिकअप चालक पर कार्रवाई और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग पुलिस और जिला प्रशासन से की है। पुलिस अभी भी लोगों को शांत करने में जुटी है।

गंडक नदी में डूबे किशोर का शव मिला, वैशाली में लालगंज के बसंत जहानाबाद घाट से 3 किमी दूर बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले में गंडक नदी में डूबे 13 वर्षीय किशोर विक्की कुमार का शव 48 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। लालगंज के बसंत जहानाबाद घाट पर सोमवार दोपहर स्नान के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया था। उसका शव घटना स्थल से लगभग 3 किलोमीटर दूर घटारो बलहा घाट पर मिला। विक्की कुमार नगर परिषद क्षेत्र के अताउल्लाहपुर पोंझिया, वार्ड संख्या 25 निवासी विन्देश्वर महतो का पुत्र था। वह अपने चार दोस्तों के साथ गंडक नदी में स्नान करने गया था, तभी गहरे पानी में जाने के कारण डूब गया। उसके साथियों ने तुरंत परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने निजी गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश शुरू की, लेकिन सोमवार देर शाम तक उसका कोई पता नहीं चल सका। प्रशासन को भी इस घटना की जानकारी दी गई थी। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) की टीम घटनास्थल पर पहुंची और खोज अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ अधिकारी बुद्धि बहादुर ने बताया कि दो टीमें भेजी गई थीं, जिसमें से एक टीम के उपकरण में तकनीकी खराबी आ गई थी। शेष टीम ने लगातार खोजबीन जारी रखी और बुधवार को किशोर का शव बरामद किया। मुखिया संघ के अध्यक्ष गणेश राय ने बसंत जहानाबाद घाट को खतरनाक बताया है। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए घाट पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस घाट पर दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-पाठ और स्नान के लिए आते हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। उनका आरोप है कि लगातार डूबने की घटनाओं के बावजूद प्रशासन ने न तो बैरिकेडिंग कराई है और न ही चेतावनी संबंधी कोई प्रभावी व्यवस्था की है। शव मिलने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

हाजीपुर में जुआ अड्डे पर छापा, 6 गिरफ्तार, पुलिस ने 23 हजार कैश और ताश बरामद किए

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जुआ के एक अड्डे पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 23,510 रुपए नगद तथा ताश के बंडल बरामद किए। यह कार्रवाई एसडीओ रोड मोड़ स्थित मछली मंडी के पीछे की गई। पुलिस को देखकर जुआ खेल रहे लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस बल की मदद से सभी को पकड़ लिया गया। बरामद सामान में ताश के बंडल और अन्य संबंधित वस्तुएं शामिल हैं। एसपी विक्रम सिहाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों से थाने में पूछताछ के बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अमन कुमार पोद्दार , अजीत कुमार , बबलू कुमार , दीपक कुमार , रोहित कुमार और हिमांशु कुमार के रूप में हुई है। सभी के विरुद्ध बंगाल जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाई, मुजफ्फरपुर में मंत्री श्रवण कुमार हुए शामिल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पूर्व रक्षा मंत्री और महान समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाई गई। यह कार्यक्रम शहर के कंपनीबाग स्थित जॉर्ज स्मृति उद्यान सिटी पार्क में आयोजित की गई। इस अवसर पर राज्य सरकार के ग्रामीण विकास सह सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने हिस्सा लिया। उनके साथ जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र सहित कई अतिथियों और अधिकारियों ने जॉर्ज फर्नांडिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्रवण कुमार ने इस मौके पर जॉर्ज फर्नांडिस को देश का क्रांतिकारी नेता बताया। उन्होंने कहा कि फर्नांडिस इंदिरा गांधी की तानाशाही के खिलाफ अडिग रहे और जीवनभर संघर्ष करते हुए गरीब व बेसहारा लोगों के सहारा बने रहे। श्रवण कुमार ने फर्नांडिस के संकल्पों को आगे बढ़ाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम सभी उनसे प्रेरणा लेते हैं और देश व राज्य की बेहतरी के लिए लगातार काम करते रहेंगे, ताकि जनता की बेहतर सेवा की जा सके। मंत्री ने इस राजकीय समारोह की जिम्मेदारी मिलने को अपने लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि आज उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और लोगों की भलाई के लिए समर्पित कर दिया।

पटना में प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, 2 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर के नासरीगंज बिस्कुट फैक्ट्री मोड़ के पास 31 मई की रात गैस वेंडर इंदल कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पटना पुलिस की ओर से खुलासा किया गया है। पटना पश्चिमी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया, इसकी जांच खुलासा के लिए SIT गठित की गई थी। जिसमें टेक्निकल टीम, SHO दानापुर और अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। 24 घंटे के भीतर इस घटना में संलिप्त दो आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है। जिस कट्टा से गोली मारकर हत्या की गई थी, इनकी निशानदेही पर उसे भी बरामद किया गया है। इसके अलावा एक बाइक, एक मोबाइल बरामद किए गए हैं।

मास्टरमाइंड सहित 2 आरोपी गिरफ्तार: पश्चिमी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि इस मामले में भोजपुर के रहने वाले घटना के मास्टरमाइंड आलोक कुमार उर्फ बप्पी और विश्वजीत कुमार उर्फ छोटू को अरेस्ट किया है। घटना की पूरी प्लानिंग बप्पी की थी। विश्वजीत और बप्पी भाई हैं। मृतक इंदल कुमार और आलोक उर्फ बप्पी के बीच एक महिला को लेकर विवाद चल रहा था। एक महिला को लेकर दोनों आपस में लड़ते झगड़ते रहे हैं। महिला का संबंध दोनों से समय समय पर रहा है।

आलोक से महिला की दूरी हो गई थी। उसे लगता था कि वो इंदल के साथ अफेयर में है।इसी आक्रोश में आकर उसने इंदल की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बता दें कि रविवार की रात गैस वेंडर की गोली मारकर हत्या हुई हुई थी। उसे तीन गोलियां लगी थी। एक सीना, दूसरी पसली और तीसरी बाएं हाथ में लगी थी। मृतक इंदल के भाई संजीत ने आलोक और उसके छोटे भाई छोटू के खिलाफ FIR कराई थी। पुलिस अब पता लगा रही कि छोटू का हत्या में क्या रोल है। मामला नासरीगंज बिस्कुट फैक्ट्री रोड स्थित तक्षशिला कॉलोनी के पास का है। मामला 31 मई की रात का है। 1 जून को हत्या का कारण पता चला।

महिला के घर के बगल में रहता था आरोपी: महिला की पति की मौत 6 साल पहले बीमारी की वजह से हो गई थी। आरोपी आलोक महिला के ससुराल के बगल में किराए पर रहता था। इसी दौरान दोनों का संपर्क हुआ। मृतक इंदल से भी पहचान थी।

जदयू ऑफिस में गायब मिले निशांत अचानक पहुंचे नीतीश कुमार

एजेंसी, पटना

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज बुधवार को अचानक जनता दल यूनाइटेड (JDU) के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए। संयोग ऐसा रहा कि जिस जनसुनवाई कार्यक्रम में उनके बेटे निशांत कुमार समेत अन्य नेताओं को लोगों की समस्याएं सुननी थी, उसी कार्यक्रम में कोई भी मौजूद नहीं मिला। जानकारी के अनुसार, आज जदयू कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम की जिम्मेदारी निशांत कुमार, दामोदर रावत और रत्नेश सदा के पास थी। लेकिन जब नीतीश कुमार अचानक प्रदेश कार्यालय पहुंचे तो कर्पूरी सभागार में इनमें से कोई भी नेता मौजूद नहीं था। ऐसे में नीतीश कुमार खुद जनसुनवाई कक्ष में पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुनने लगे। उन्होंने फरियादियों से सीधे बातचीत की और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

बेटे निशांत कुमार नहीं थे मौजूद: सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रही कि जनसुनवाई के लिए तय कार्यक्रम में उनके बेटे निशांत कुमार भी मौजूद नहीं थे। ऐसे में नीतीश कुमार का खुद लोगों के बीच बैठकर शिकायतें सुनना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। डिप्टी सीएम से मुलाकात के बाद पूर्व सीएम अचानक जदयू दफ्तर पहुंच गए। जदयू दफ्तर में रोजाना 3 मंत्रियों के जनसुनवाई का कार्यक्रम होता है। आज मंत्री अशोक चौधरी, मदन सहनी और मंत्री श्वेता गुप्ता को जनसुनवाई में पहुंचना था, लेकिन जब नीतीश कुमार जदयू दफ्तर पहुंचे तीनों मंत्री में से कोई भी मंत्री मौजूद नहीं थे।

नीतीश कुमार के जदयू दफ्तर से निकलने से कुछ वक्त पहले अशोक चौधरी भागे-भागे पार्टी कार्यालय आए। वो नीतीश कुमार की गाड़ी के पास गए और पूर्व सीएम से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि जब नीतीश कुमार का काफिला पार्टी कार्यालय से बाहर निकल रहा था, तब अशोक चौधरी उनकी गाड़ी के पास पहुंचे और हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

पटना सदर सीओ का सरकारी नंबर हैक, साइबर थाना में शिकायत दर्ज

एजेंसी, पटना

पटना सदर के अंचलाधिकारी रजनी कांत का सरकारी CUG मोबाइल नंबर 9031671824 हैक कर लिया गया है। उनकी ओर से इस बाबत में पटना के साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने बताया है कि सरकारी नंबर पर 9861832938 से कॉल आया। उसने बताया कि वह कुरियर डिलीवरी करने वाला है। उसने कुरियर बॉय को कॉल करने के लिए कहा। इसके बाद मेरे सह कर्मी ने उसके बताए अनुसार *21* 7764987536# डायल किया। इस कॉल के बाद मेरा मोबाइल नंबर और व्हाट्सएप नंबर दोनों हैक हो गया।

क्यूआर कोड भेजकर 25000 रुपए की ठगी: CO ने बताया कि मेरे बॉबी नाम के परिचित को सबसे पहले क्यूआर कोड भेजकर मेरे नाम पर 25000 रुपए ठग लिए। फिर मल्टीपल लोगों को क्यूआर कोड भेजकर रुपए मांगे गए। मेरे नंबर पर जो भी कॉल किया

जा रहा है, वह 7764987536 पर फॉरवार्ड हो जा रहा है।

साइबर DYSP नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि, 'प्राथमिकी दर्ज कर के मामले की छानबीन की जा रही है। पिछले दो महीने में इस तरीके के 15 से अधिक मामले आ चुके हैं। लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।' सबसे पहले व्हाट्सएप में टू स्टेप वेरिफिकेशन ऑन करें। इससे जल्दी हैक नहीं होगा। इसके लिए व्हाट्सएप की सेटिंग में जाएं। इसके बाद एकाउंट पर क्लिक करें। एकाउंट पर क्लिक करने के बाद टू स्टेप वेरिफिकेशन आएगा। उस पर क्लिक करने के बाद 6 डिजिट नंबर डालकर सेव कर लें। इससे व्हाट्सएप हैक आसानी से नहीं होगा।

खान सर की कोचिंग पर हमला, गार्ड से मारपीट-पथराव, पोस्टर फाड़े, 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार रात खान सर की कोचिंग ग्लोबल स्टडीज पर हमला हुआ। हमले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग गार्ड को पीटते दिख रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर भी चलाए गए। पोस्टर भी फाड़ दिए। पुलिस ने ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद समेत उनके दो सहयोगी अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार किया है। तीनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। भास्कर से बातचीत में टाउन DSP-1 राजेश रंजन ने इसकी पुष्टि की है। टाउन DSP के मुताबिक, रोशन आनंद और उसके दोनों सहयोगियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। खान सर ने हमले का आरोप ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और कोचिंग के कर्मियों पर लगाया है। इस घटना के बाद बिहार शिक्षा विभाग ने कोचिंग नीति बनाए जाने की घोषणा की है।

अगले 3 महीने के भीतर कोचिंग नीति तैयार की जाएगी। इसके तहत सभी कोचिंग संस्थानों के लिए एक 'मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट' तैयार किया जाएगा।

खान सर बोले- आज पढ़ाई नहीं हो पाएगी: खान सर का कहना है कि हमले में सिक्योरिटी गार्ड का सिर फोड़ दिया गया।। उसे PMCH में भर्ती कराया गया है। खान सर ने पहले 8 से 10 राउंड गोली चलने का दावा किया था। हालांकि, बाद में वे अपने बयान से पलट गए। उन्होंने कहा- 'माहौल इतना तनावपूर्ण था कि मुझे कुछ समझ नहीं आया।' खान सर की ओर से दायर FIR में भी गोलीबारी का कोई जिक्र नहीं है। साथ ही पटना पुलिस ने भी फायरिंग से इनकार किया है। हमले के बाद खान सर का कोचिंग सेंटर आज यानी बुधवार को बंद किया गया है। खान सर ने कहा, 'आज पढ़ाई नहीं हो पाएगी।' इधर, कोचिंग पर हमले के बाद बड़ी संख्या में खान सर के छात्रों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। गोली चलने के सवाल पर खान सर जवाब देने से बचते नजर आए। उन्होंने छात्रों से अपील की- 'सड़क खाली कर दीजिए। हम यहां किसी हमले के लिए तैयार नहीं थे। मारपीट करने के लिए नहीं बैठे थे। गार्ड का सिर फोड़ दिया गया है। खान सर ने बताया कि जिस समय हमला हुआ, उस वक्त ज्यादातर गार्ड्स की ड्यूटी खत्म हो चुकी थी। उन्होंने कहा, 'पहली प्राथमिकता घायल गार्ड को बचाने की है। उसे बेरहमी से पीटा गया है। वह PMCH में भर्ती है। पता नहीं हमलावरों का निशाना कौन था। उन्होने आगे कहा, 'हम लोगों की कोशिश रहती है कि गरीब से गरीब बच्चों को पढ़ाया जाए, इससे कुछ लोगों को परेशानी हो रही है। सरकार और पुलिस अलर्ट है। रात 2 बजे तक सभी अफसर यहां मौजूद थे। पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई करे।' खान सर की कोचिंग के बगल में ज्ञान बिंदु कोचिंग है। ज्ञान बिंदु कोचिंग के बोर्ड के ऊपर खान सर का पोस्टर लगा दिया गया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक बिहार पुलिस में चयनित 12 हजार छात्रों के सम्मान समारोह का पोस्टर लगाया गया था। उसी पोस्टर को लेकर विवाद शुरू हुआ और बाद में मामला बढ़ गया। हमले के बाद खान सर ने बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी।

'डिप्टी सीएम से पूछा सवाल तो भेज दिया जेल'

एजेंसी, पटना

पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष शांतनु शेखर ने राज्य सरकार, पुलिस प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों से जुड़े सवाल उठाने की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

146 करोड़ की बिल्डिंग के उद्घाटन कार्यक्रम का उठाया मुद्दा: शांतनु शेखर ने बताया कि 28 मार्च को पटना विश्वविद्यालय में करीब 146 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित भवन के उद्घाटन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शामिल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े कार्यक्रम की जानकारी न तो छात्रों को दी गई और न ही उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि जब उन्हें कार्यक्रम

की जानकारी मिली तो वे वहां पहुंचे और इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया। इसी दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री से छात्रों को कार्यक्रम से दूर रखने को लेकर सवाल पूछा, लेकिन प्रशासन और सरकारी अधिकारियों को उनका सवाल पसंद नहीं आया।

सवाल पूछने के बाद दर्ज कर दिए गए गंभीर मामले: छात्रसंघ अध्यक्ष ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री से सवाल पूछने के बाद उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि उन पर धारा 121 और 276 समेत कई धाराएं लगाई गईं और

पीयू छात्रसंघ अध्यक्ष बोले- विपक्षी दल हूं इसलिए हुआ मुकदमा, मैं किसी से डरने वाला नहीं

उन्हें जेल भेज दिया गया। शांतनु ने आरोप लगाया कि पुलिस लगातार उनके घर पहुंचती रही और उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया मानो उन्होंने कोई बड़ा अपराध कर दिया हो। उन्होंने कहा कि उनका अपराध केवल इतना था कि उन्होंने छात्रों के अधिकार और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाया था।

निर्वाचित प्रतिनिधि को ही काम नहीं करने दिया जा रहा: शांतनु शेखर ने कहा कि वे छात्रों के वोट से चुने गए छात्रसंघ अध्यक्ष हैं, लेकिन उन्हें अपनी जिम्मेदारियां निभाने का अवसर नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि को ही सवाल पूछने और छात्रों की समस्याएं उठाने की स्वतंत्रता नहीं होगी, तो आम छात्र अपनी बात कैसे रख पाएंगे। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव जीतने के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय और कॉलेजों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने का वादा किया था। इनमें कॉलेजों में संसाधनों की उपलब्धता, पुस्तकालयों में एयर कंडीशनर लगाने और अन्य छात्र सुविधाओं का विस्तार शामिल है। शांतनु ने बताया कि निचली अदालत से उन्हें राहत नहीं मिली थी, लेकिन इस मामले में उन्हें उच्च न्यायालय से राहत प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका पर उनका भरोसा है और वे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। छात्रसंघ अध्यक्ष ने पूरे घटनाक्रम के लिए पटना विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां छात्रों की आवाज को दबाना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

बाढ़ में 7 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत गोपाईचक गांव में करंट लगने से सात वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान सूरज कुमार के रूप में हुई है। घटना सकसोहरा थाना क्षेत्र की है।

दरवाजे के पास बेहोश पड़ा मिला बच्चा: जानकारी के अनुसार, परिजन रोजाना की तरह खेतों में काम करने गए हुए थे, जबकि मासूम सूरज घर पर अकेला था। जब परिवार के सदस्य खेत से लौटकर घर पहुंचे तो उन्होंने बच्चे को दरवाजे के पास बेहोश पड़ा देखा। परिजन आनन-फानन में बच्चे को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

करंट लगने की आशंका: परिजनों के मुताबिक, सूरज को घर में किस स्थान पर और कैसे करंट लगा, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। आशंका जताई जा रही है कि घर के दरवाजे के पास से गुजर रहे किसी तार में करंट रहा होगा, जिसकी चपेट में बच्चा आ गया। मृतक के दादा अरविंद प्रसाद ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद करंट लगने से मौत की पुष्टि की है।

◆ खेत से लौटे परिजनों को दरवाजे पर मिला बेहोश, डॉक्टर ने किया मृत घोषित

तेजप्रताप बोले- भाषा की मर्यादा रखिए, राबड़ी के पैर छूते सम्राट की तस्वीर शेयर की

एजेंसी, पटना

राबड़ी आवास खाली करने के नोटिस पर विवाद बढ़ता जा रहा है। राबड़ी देवी ने कहा था हम बंगला खाली नहीं करेंगे। फोर्स बुलाकर खाली करवा लो। इस पर CM ने जवाब देते हुए कहा, बंगला खाली होकर रहेगा। कोई माई का लाल बंगला खाली करवाने से नहीं रोक सकता। ये किसी की बपौती नहीं। अब राबड़ी देवी के बेटी तेज प्रताप यादव कहा है कि, हम भविष्यवाणी करते हैं, 9 महीने के अंदर सम्राट सीएम की कुर्सी से हटेंगे। मुख्यमंत्री के पद की गरिमा का सम्मान करना चाहिए, लेकिन वह अपनी कुर्सी का सम्मान करने में असफल साबित हो रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी उम्र में उनसे बड़े हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के पद पर बैठने के बावजूद वह उस पद की मर्यादा नहीं

रख पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले 6 से 9 महीनों के भीतर सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ेगी। इससे पहले तेजप्रताप ने फेसबुक पर राबड़ी के पैर छूते सम्राट चौधरी की तस्वीर पोस्ट की थी। उन्होंने लिखा कि, भाषा की मर्यादा बनाए रखिए। मुजफ्फरपुर में सहयोग शिविर में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राबड़ी देवी के बयान का जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, 'कुछ लोगों को लगता है मेरा घर खाली हो जाएगा। पक्का खाली होगा।

बिहार के 4 जिलों का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा, 7 दिनों तक रहेगी भीषण गर्मी

एजेंसी, पटना

बिहार में पिछले दिनों से लगातार आंधी-बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली थी। लेकिन अब मौसम का मिजाज बदल गया है। राज्य के अधिकतर जिलों में मौसम सामान्य है। 4 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बिहार में बुधवार को 5 जिलों में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है, हीटवेव का कोई अलर्ट नहीं है। इसमें कैमूर, रोहतास (डेहरी), औरंगाबाद, गया और पटना जिला शामिल हैं। इन जिलों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। मंगलवार को कैमूर (भभुआ) 41.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, जबकि डेहरी, भागलपुर और शेखपुरा में भी तापमान 40 डिग्री

के आसपास दर्ज किया गया। वहीं, सासाराम, गयाजी में आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। जबकि बक्सर, औरंगाबाद में बादल छाए रहे।

मानसून अभी बिहार से दूर: दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी बिहार नहीं पहुंचा है। 12 से 16 जून के बीच बिहार पहुँचेगा। जब तक मानसूनी बादल राज्य में सक्रिय नहीं होते,

◆ 44 डिग्री पहुंचेगा तापमान, 24 घंटे में गया-सासाराम में हुई बारिश

तब तक गर्म हवाओं और उमस का असर बना रहेगा। मानसून के आगे बढ़ने में हो रही देरी भी गर्मी बढ़ने का एक बड़ा कारण मानी जा रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के 4 जून के आसपास केरल, तमिलनाडु, लक्षद्वीप तथा बंगाल की खाड़ी के कई और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसके बाद मानसून धीरे-धीरे पूर्वी भारत की ओर बढ़ेगा। हालांकि बिहार में मानसून पहुंचने में अभी समय लगेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य में मानसून की सक्रियता शुरू होने तक लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है।

साइकिल रैली के माध्यम से दिया गया स्वास्थ्य और पर्यावरण का संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा बुधवार को 'विश्व साइकिल दिवस' के अवसर पर साइकिल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह पूरी रैली कॉलेज के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में अत्यंत अनुशासित ढंग से संपन्न हुई। रैली का शुभारंभ सुबह 06:00 बजे कॉलेज परिसर से हुआ, जो शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए गांधी मैदान पहुँचकर संपन्न हुई। इस दौरान स्वयंसेवकों ने "स्वस्थ शरीर, स्वच्छ हवा" का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि साइकिल का उपयोग न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर रखता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन घटाकर पर्यावरण संरक्षण में भी अमूल्य योगदान देता है। इस सामाजिक अभियान में एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ प्रभाकर कुमार ने साइकिल के अनेक लाभकारी गुणों से स्वयंसेवकों को अवगत कराते हुए कहा कि साइकिल के उपयोग मात्र से समाज और देश की बहुत सारी समस्याओं का समाधान अत्यंत सरल सहज तरीके से हो सकता है। रैली को सफल बनाने में मुख्य रूप से श्रेया, माही , रितुराज, राजनंदनी,आदित्य , अभिषेक,शुभम,अदिति,आदिरा और उज्वल सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका निभाई।

एचआईवी/एड्स जागरूकता रथ को डीडीसी ने दिखाई हरी झंडी, 17 अगस्त तक 65 स्थानों पर लगेगा जांच शिविर

» एचआईवी संक्रमण से बचाव को लेकर जागरूकता पर जोर, मुफ्त जांच व उपचार की दी जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को शहर के समाहरणालय परिसर से एचआईवी/एड्स जागरूकता रथ को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) डॉ. प्रदीप कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां एचआईवी/एड्स सहित कई बीमारियों की मुफ्त जांच की जाएगी। डीडीसी ने कहा कि एचआईवी/एड्स के प्रति लोगों को जागरूक बनाने तथा सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता रथ का संचालन किया जाता है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य जांच शिविरों का लाभ उठाने की अपील की। वहीं जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी -सह- संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. संजीव ने बताया कि जिले के 65 हाई रिस्क ग्रुप संभावित स्थलों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में एचआईवी के अलावा बीपी, शुगर, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी तथा सिफिलिस जैसी बीमारियों की जांच निःशुल्क की जाएगी। यह अभियान 17 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने बताया कि असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या सिरिंज का उपयोग तथा दूषित रक्त के आदान-प्रदान से एचआईवी संक्रमण फैलता है। संक्रमण से बचाव के लिए सुरक्षित यौन संबंध, नई सुई-सिरिंज एवं नए ब्लेड-रेजर का प्रयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सतर्कता ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। डॉ. संजीव ने बताया कि जिले के एआरटी केंद्र मोतिहारी एवं डंकन अस्पताल, रक्सौल में एचआईवी की मुफ्त जांच तथा संक्रमित मरीजों के लिए आजीवन दवा उपलब्ध है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से शिविरों में पहुंचकर जांच कराने की अपील की। कहा कि बिहार सरकार की 'बिहार शताब्दी एड्स पीड़ित कल्याण योजना' के तहत एड्स पीड़ितों को जीवनभर प्रतिमाह 1500 रुपये की सहायता राशि दी जाती है। वहीं, माता-पिता के एचआईवी संक्रमित होने की स्थिति में बच्चों को परवरिश योजना के अंतर्गत 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जिला प्रशासन ने पात्र लाभार्थियों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

दिल्ली से गिरफ्तार हुआ अपहरण कांड का मुख्य अभियुक्त, अपहृत किशोरी सकुशल बरामद

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने अपहरण एवं पॉक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले का सफल उद्भेदन करते हुए अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही मामले के मुख्य अभियुक्त को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 289/26, दिनांक 29 मई 2026, धारा 137(2)/96 बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत दर्ज मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही थी। तकनीकी अनुसंधान एवं छापेमारी के क्रम में अपहृता को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। मामले के मुख्य नामजद अभियुक्त साजन कुमार, पिता उमेश साहनी, निवासी पकरिया टाल, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। थानाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों से जुड़े मामलों में हरसिद्धि पुलिस पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई कर रही है। ऐसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई में पुलिस अवर निरीक्षक शिखा कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नेतृत्व में गठित टीम ने अपहृता की बरामदगी और अभियुक्त की गिरफ्तारी सुनिश्चित की। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

ट्रेड लाइसेंस शिविर में 56 व्यापारियों का लाइसेंस नवीनीकरण, चैंबर की पहल से मिली राहत

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज के तत्वावधान में बुधवार को नगर निगम सभागार में आयोजित ट्रेड लाइसेंस शिविर में 56 व्यापारियों के ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण किया गया। इस शिविर के माध्यम से व्यापारियों को एक ही स्थान पर लाइसेंस संबंधी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें काफी सहूलियत मिली। चैंबर अध्यक्ष महेश सिन्हा ने कहा कि व्यापारियों की सुविधा और उनके प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाने के उद्देश्य से ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है। महासचिव आलोक कुमार ने शिविर में सहयोग देने वाले व्यापारियों, चैंबर पदाधिकारियों तथा नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के सफल संचालन में चैंबर के नगर निगम प्रभारी सुधीर गुप्ता एवं अनिल अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दोनों पदाधिकारियों ने तैयारी, समन्वय और व्यापारियों के कार्यों के निष्पादन में सक्रिय योगदान दिया, जिसके कारण शिविर सुचारु रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर संयोजक मनीष कुमार, उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र, निवर्तमान अध्यक्ष अंगद सिंह, पूर्व अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, बीरेंद्र जालान, संजय जायसवाल, राजीव विजडम, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कमलेश कुमार, मेहुल लाल सहित नगर निगम के अरुण मिश्रा, रवि रंजन कुमार, राकेश कुमार एवं नवल किशोर प्रसाद समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। चैंबर पदाधिकारियों ने भविष्य में भी व्यापारियों की सुविधा के लिए इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

एसएसबी ने भारत-नेपाल बॉर्डर पर की कार्रवाई, यूरिया खाद, 9 बाइक सहित दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से नेपाल ले जाई जा रही 1665 किलोग्राम भारतीय यूरिया खाद और 9 मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। इस दौरान एक नेपाली नागरिक समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। एसएसबी की आसूचना शाखा को मंगलवार देर रात सूचना मिली थी कि बलुआ गांव के रास्ते कुछ लोग भारत से नेपाल अवैध सामान भेजने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए बीओपी झाझरा की दो टीमों को संयुक्त नाका ड्यूटी पर तैनात किया गया। उक्त कार्रवाई में एक टीम का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक (जीडी) मानस बोरह और दूसरी टीम का नेतृत्व एसओटी कमांडर सहायक उप निरीक्षक (जीडी) कुलबीर सिंह कर रहे थे। दोनों टीमों ने सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी। रात करीब 1:15 बजे सीमा स्तंभ से लगभग 500 मीटर भारतीय क्षेत्र में नाका पार्टी ने 9-10 लोगों को मोटरसाइकिलों पर सामान लेकर नेपाल की ओर जाते देखा। जवानों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन एसएसबी को देखते ही सभी तस्कर बाइक और सामान छोड़कर भागने लगे। एसएसबी जवानों ने पीछा कर दो तस्करों को पकड़ लिया, जबकि अन्य तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर नेपाल की ओर भागने में सफल रहे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाल के बारा जिले के बैरिया निवासी इन्ताज अंसारी (37) और पूर्वी चंपारण के रेगनिया गांव निवासी विनोद यादव (45) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान एसएसबी ने 45-45 किलोग्राम की 37 बोरी भारतीय यूरिया खाद बरामद की, जिसका कुल वजन 1665 किलोग्राम है। इसके अलावा 9 मोटरसाइकिलें भी जब्त की गईं। एसएसबी ने जब्ती सूची तैयार कर सभी सामान कब्जे में ले लिया है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार तस्करों और जब्त सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंपा जा रहा है।

जेईई एडवांस 2026 में संजीत कुमार का शानदार प्रदर्शन, क्षेत्र का बढ़ाया मान

बीएनएम@ पताही

देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में पताही के मेधावी छात्र संजीत कुमार ने उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। संजीत ने परीक्षा में 113 अंक प्राप्त करते हुए ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में 4369वीं रैंक तथा ऑल इंडिया रैंक 16506 हासिल की है। संजीत की इस उपलब्धि से विद्यापति पब्लिक स्कूल में उत्साह और खुशी का माहौल है। विद्यालय के शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक उनकी सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उनकी उपलब्धि ने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। विद्यालय के निदेशक विद्यापति झा ने संजीत को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल विद्यालय बल्कि पूरे चंपारण क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संजीत ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। संजीत की सफलता आने वाले छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए और अधिक मेहनत करने का उत्साह देगी। संजीत की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों, बुद्धिजीवियों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता से पूरे पताही क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और इसे क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

मनरेगा एवं जल संसाधन विभाग की योजनाओं की समीक्षा, प्रगति तेज करने का निर्देश: डीडीसी

बीएनएम@ मोतिहारी

उप विकास आयुक्त, पूर्वी चंपारण डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में 2 जून 2026 की देर संध्या डॉ. राधाकृष्णन सभागार, मोतिहारी में मनरेगा एवं जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ), जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे। बैठक में वृक्षारोपण योजना के अंतर्गत मानव दिवस सृजन, पीडी जेनेरेशन, ईई-केवाईसी, मनरेगा की पूर्णता, ई-केवाईसी, मनरेगा अभिसरण से डब्ल्यूआरडी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जल-जीवन-हरियाली अभियान के विभिन्न अवयवों की वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक पंचायत में कम से कम 500 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समीक्षा में पाया गया कि जिले की 199 पंचायतों में मानव दिवस सृजन 200 से भी कम है। उन्होंने सभी पीओ को मनरेगा के सभी मानकों पर प्रभावी कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जिले को मई 2026 तक 23,93,918 मानव दिवस सृजित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जबकि अब तक केवल 27 प्रतिशत मानव दिवस का ही सृजन हो सका है। इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए डॉ. कुमार ने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने कहा कि जिले की प्रगति अभी भी राज्य के औसत से काफी कम है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक एवं निजी वृक्षारोपण की कुल 14,470 योजनाएं संचालित हैं, जिनमें से मात्र 46 प्रतिशत योजनाओं पर ही चालू वित्तीय वर्ष में मानव दिवस सृजन किया गया है। उन्होंने सभी पीओ को जून माह में वृक्षारोपण की सभी योजनाओं पर शत-प्रतिशत श्रमिक मांग (लेबर डिमांड) सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जल-जीवन-हरियाली अभियान की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिकांश अवयवों में प्रगति हुई है, लेकिन पईन जीर्णोद्धार, सोख्ता निर्माण, निजी खेत-पोखरा निर्माण तथा छत वर्षा जल संचयन के लक्ष्यों की प्राप्ति अपेक्षाकृत कम है। इस पर सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को विशेष प्रयास कर प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया गया। बैठक में मनरेगा अभिसरण के तहत जल संसाधन विभाग की 614 योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि अब तक केवल 465 योजनाओं की ही पोर्टल पर प्रविष्टि की गई है तथा मात्र 44 योजनाओं पर कार्य प्रारंभ हुआ है। इस पर उप विकास आयुक्त ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 614 की 614 योजनाओं की शीघ्र पोर्टल प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए तथा जिन योजनाओं का जियो-टैगिंग कार्य पूर्ण हो चुका है, उन पर अविलंब कार्य प्रारंभ कराया जाए। बैठक में निदेशक एनईपी डॉ. कुंदन, डीपीओ मनरेगा, जल संसाधन विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता तथा मनरेगा के कार्यपालक एवं सहायक अभियंता उपस्थित थे।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत, एक की हालत गंभीर

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड के मुरला पंचायत अंतर्गत नेशनल हाईवे के समीप मंगलवार रात करीब 10:30 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक अज्ञात वाहन की टक्कर का शिकार हो गए। दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान धनहर दिहुली निवासी 23 वर्षीय सुनील राम, पिता चौकट राम के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सुनील बाहर रहकर मजदूरी करता था और कुछ दिनों पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था। वह दो भाइयों में सबसे बड़ा था तथा परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। उसकी असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान नितेश बैठा, पिता स्वर्गीय रामबाबू बैठा के रूप में हुई है। उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है और वह जीवन-मृत्यु से जूझ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल नितेश को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसकी नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अज्ञात वाहन की पहचान कर उसे पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई तेज कर दी गई है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, बीएलओ और साइबर कैफे संचालक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि

पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज अनुमंडल में मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि एक बीएलओ और साइबर कैफे संचालक की मिलीभगत से अवैध रूप से ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे थे तथा इसके एवज में लोगों से रुपये वसूले जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, अरेराज डीसीएलआर इति चतुर्वेदी को शिकायत मिलने पर मामले की जांच कराई गई। डीसीएलआर के निर्देश पर हरसिद्धि बीडीओ गुलशन कुमार ने जांच की, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि बूथ संख्या-96 के बीएलओ मस्जिद बैठा अपना आधिकारिक आईडी साइबर कैफे संचालक उपेंद्र कुमार को उपलब्ध कराता था। इसी आईडी का उपयोग कर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाते थे। इसके बदले प्रत्येक आवेदन पर 200 रुपये की अवैध वसूली की जाती थी। बताया गया है कि वसूली गई राशि में 100 रुपये बीएलओ और 100 रुपये साइबर कैफे संचालक के बीच बांटे जाते थे। इस तरह दोनों मिलकर लंबे समय से अवैध कमाई कर रहे थे। मामले का खुलासा होने के बाद हरसिद्धि बीडीओ गुलशन कुमार के आवेदन पर हरसिद्धि थाना में बीएलओ मस्जिद बैठा और साइबर कैफे संचालक उपेंद्र कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीएलआर की इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक महकमे और संबंधित कर्मियों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि इस फर्जीवाड़े के माध्यम से कितने आवेदन किए गए और इससे कितने लोग प्रभावित हुए हैं।

भूमि म्यूटेशन में फर्जीवाड़े का खुलासा, फर्जी आदेश बनाकर दाखिल-खारिज कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने भूमि म्यूटेशन से जुड़े एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) सदर, मोतिहारी के नाम से फर्जी आदेश तैयार कर दाखिल-खारिज की प्रक्रिया में धोखाधड़ी की और गलत व्यक्ति के नाम पर म्यूटेशन करा दिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 जून 2026 को सदर अंचल, मोतिहारी के एक राजस्व कर्मचारी द्वारा आवेदन दिया गया था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि साई कम्युनिकेशन के प्रोपराइटर दिनेश्वर प्रसाद वर्मा एवं अनिकेत कुमार ने डीसीएलआर सदर का फर्जी आदेश तैयार कर उस पर हस्ताक्षर और मुहर लगाई तथा उसे अंचल कार्यालय में प्रस्तुत कर दाखिल-खारिज पोर्टल पर अपलोड कराया। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों पूर्व में भी इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। छापेमारी के दौरान दिनेश्वर प्रसाद वर्मा, पिता स्वर्गीय विनोद प्रसाद वर्मा तथा अनिकेत कुमार, पिता प्रमोद वर्मा, दोनों निवासी भवानीपुर जिरात, थाना छतौनी, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो लैपटॉप, चार प्रिंटर, एक बायोमेट्रिक मशीन, दो डीवीडीआर कैसेट, दो क्यूआर कोड एवं क्यूआर पेमेंट स्कैनर स्टैंड, दो मोबाइल फोन, एक रिसीवर टेलीफोन, एक प्रोडॉट यूएसबी पोर्ट, साई कम्युनिकेशन का एक सील-मोहर तथा दिनेश्वर प्रसाद वर्मा के नाम का एक सील-मोहर बरामद किया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व छतौनी थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार पासवान ने किया। छापेमारी दल में उमाशंकर मांझी, प्रीति पाल, राहुलदेव वर्मा, कुमारी पूजा एवं छतौनी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने इस मामले में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस फर्जीवाड़े के माध्यम से अब तक कितने लोगों के भूमि म्यूटेशन में गड़बड़ी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

जहरीली शराब कांड में दो फरार स्प्रिट सप्लायरों के घर हुई कुर्की

बीएनएम@ तुरकौलिया। जिले के चर्चित तुरकौलिया जहरीली शराब कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे दो स्प्रिट सप्लायरों के खिलाफ कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की है। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के निवासी हैं और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपितों की पहचान जौनपुर जिले के नहोरा डेरावा गांव निवासी ललन सिंह उर्फ शीतला प्रसाद सिंह के पुत्र चंदन कुमार और सूरज कुमार के रूप में हुई है। दोनों आपस में सगे भाई हैं और जहरीली शराब कांड में स्प्रिट सप्लाई करने के आरोप में वांछित हैं। न्यायालय के आदेश पर तुरकौलिया पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची और दोनों आरोपितों के मकानों की कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि इससे पहले न्यायालय के निर्देश पर आरोपितों के घर इश्तेहार चिपकाया गया था, लेकिन निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में उपस्थित नहीं होने के कारण कुर्की की कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार, इंस्पेक्टर धर्मवीर भारती समेत कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि दोनों आरोपितों को मोस्ट वांटेड घोषित किया गया है तथा उनकी गिरफ्तारी पर 50-50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब कांड में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों भाई बड़े पैमाने पर स्प्रिट की आपूर्ति करते थे, जिसका उपयोग अवैध शराब निर्माण में किया जाता था। मामले में स्थानीय स्तर पर सक्रिय कई शराब कारोबारियों को भी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक उत्तर प्रदेश के दो अन्य सप्लायरों सहित एक दर्जन से अधिक स्थानीय शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गौरतलब है कि अप्रैल माह में तुरकौलिया और रघुनाथपुर क्षेत्र में कथित जहरीली शराब के सेवन से 10 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य प्रभावित हुए थे। इस घटना के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया था और प्रशासन पर कड़ी कार्रवाई का दबाव बढ़ गया था। एसपी ने कहा कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह समाप्त करने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। इसके लिए लगातार निगरानी, छापेमारी और कानूनी कार्रवाई की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई को जहरीली शराब कांड की जांच में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी अभी भी पुलिस की प्राथमिकता बनी हुई है।

कुर्की के भय से जहरीली शराब कांड में फरार अभियुक्त ने किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र में हुए चर्चित जहरीली शराब कांड के फरार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस टीम शंकरसरैया परसौना गांव में एक फरार आरोपी के घर कुर्की-जप्ती की कार्रवाई करने पहुंची। पुलिस की तैयारी देखकर आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया। जानकारी के अनुसार, शंकरसरैया परसौना निवासी बीरेंद्र राय के पुत्र राजकुमार राय ने कुर्की की कार्रवाई के भय से पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। पुलिस अभिलेखों के अनुसार राजकुमार राय पर जहरीली शराब कांड के अलावा आठ अन्य मामले भी दर्ज हैं। कुर्की की कार्रवाई के दौरान थानाध्यक्ष सम्पत कुमार के नेतृत्व में अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार, दारोगा मनीष राज, दारोगा संतोषी कुमारी, चौकीदार नौशाद आलम सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। गौरतलब है कि जहरीली शराब कांड में शनिवार को भी पुलिस ने एक महिला समेत चार कथित शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। गिरफ्तार आरोपितों में बीरेंद्र राय का पुत्र रंजीत राय, चीलराव निवासी हीरामन राय का पुत्र संजीव राय तथा नागा राय का पुत्र अरविंद कुमार शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि गत अप्रैल माह में जहरीली शराब के सेवन से रघुनाथपुर और तुरकौलिया क्षेत्र के विभिन्न गांवों में 10 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब डेढ़ दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी प्रभावित हुई थी। घटना के बाद से पुलिस लगातार छापेमारी और गिरफ्तारी अभियान चला रही है, जिससे शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। थानाध्यक्ष सम्पत कुमार ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पटना के बांस घाट पर अत्याधुनिक शवदाह गृह शुरू

एक साथ 10 शवों के अंतिम संस्कार की सुविधा

बीएनएम@ पटना। पटना के बांस घाट पर पहला अत्याधुनिक शवदाह गृह शुरू हो गया है। करीब 89.40 करोड़ रुपये की लागत से बना राज्य का पहला आधुनिक श्मशान घाट परिसर है। इस अत्याधुनिक परिसर में एक साथ 10 शवों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को प्राथमिकता देते हुए यहां गुजरात से मंगाई गई 4 इलेक्ट्रिक ओवन मशीनें व बिहार में ही निर्मित 6 आधुनिक वुड क्रीटेशन ओवन लगाए गए हैं। ये मशीनें पारंपरिक तरीकों के मुकाबले लगभग 90 फीसदी कम प्रदूषण फैलाती हैं और इनमें लकड़ी की खपत भी बेहद कम होती है। इसके अलावा, शवों को सुरक्षित रखने के लिए यहां मोर्चरी फ्रीजर की भी व्यवस्था है। इस नई सुविधा का संचालन ईशा आउटरीच द्वारा किया जाएगा, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और आधुनिक बनेगी।

एक ही छत के नीचे मिलेगी हर सुविधा- परिजनों को लंबी कतारों और अफरातफरी से बचाने के लिए यहां सॉफ्टवेयर के जरिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग की अनूठी सुविधा शुरू की जा रही है। मोक्ष द्वार के पास ही एक ही परिसर में धोती, साड़ी, घी और चंदन की लकड़ी समेत करीब 45 तरह की अंत्येष्टि सामग्रियां तय और किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

बैरिया सीओ के स्थानांतरण के लिए मंत्री को आवेदन

बीएनएम@ बेतिया: बैरिया प्रखंड में अंचलाधिकारी के कार्यशैली को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। प्रखंड के बिस सूत्री अध्यक्ष अवध किशोर सिंह ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल को आवेदन देकर बताया कि अंचलाधिकारी की कार्यप्रणाली की जांच कराने तथा उनका अन्यत्र स्थानांतरण करने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि अंचलाधिकारी अपने कार्यालय में नियमित रूप से नहीं बैठते और बेतिया स्थित एक निजी होटल से सरकारी कार्यों का निष्पादन करते हैं। इसके कारण दाखिल-खारिज, अतिक्रमण वाद और जनसुनवाई जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अवध किशोर सिंह ने मामले की निष्पक्ष जांच कर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में अंचलाधिकारी मुकेश से प्रतिक्रिया लेने के लिए दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन सम्पर्क नही हो सका।

बिहार में शिक्षक ट्रांसफर नीति में बड़ा बदलाव

प्राथमिक विद्यालयों से हटेंगे बीएड शिक्षक

बीएनएम@ पटना। बिहार की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। शिक्षा विभाग नई शिक्षक स्थानांतरण (ट्रांसफर) और कैडर पुनर्गठन नीति को अंतिम रूप देने में जुटा है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत प्राथमिक विद्यालयों में अब बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की तैनाती नहीं होगी। उन्हें कक्षा 6 और उससे ऊपर की कक्षाओं में स्थानांतरित किया जाएगा। शिक्षा विभाग का लक्ष्य 25 जून तक इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करना है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने विभागीय अधिकारियों को नई नीति को समयबद्ध तरीके से लागू करने के निर्देश दिए हैं। प्रस्ताव के अनुसार कक्षा 1 से 5 तक केवल पीआरटी शिक्षकों द्वारा पढ़ाई कराई जाएगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बीएड योग्यता वाले शिक्षकों को मध्य एवं माध्यमिक विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा। प्रस्तावित ढांचे के अनुसार कक्षा 6 से 10 तक टीजीटी और कक्षा 11-12 में पीजीटी शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इससे विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है कि राज्य के कई विद्यालयों में शिक्षकों के वितरण को लेकर असंतुलन की स्थिति है।

हरसिद्धि-छपवा मार्ग पर मनमाने किराये से यात्री परेशान, कार्रवाई की मांग

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र में ऑटो और बस संचालकों द्वारा कथित रूप से मनमाने ढंग से किराया वसूले जाने से आम यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने परिवहन विभाग और जिला प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, हरसिद्धि से छपवा की दूरी लगभग 7 किलोमीटर है, लेकिन इस छोटे सफर के लिए यात्रियों से 30 रुपये तक किराया वसूला जा रहा है। वहीं छपवा से सुगौली रेलवे स्टेशन की करीब 3 किलोमीटर दूरी तय करने के लिए भी यात्रियों से 15 से 20 रुपये तक लिए जा रहे हैं। इसे लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि परिवहन विभाग की ओर से किराया निर्धारण का कोई स्पष्ट मापदंड सार्वजनिक रूप से लागू नहीं होने के कारण वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार किराया तय कर रहे हैं। इसका सीधा असर प्रतिदिन यात्रा करने वाले कर्मचारियों, छात्रों, व्यवसायियों और अन्य यात्रियों पर पड़ रहा है। हरसिद्धि प्रखंड कार्यालय में कार्यरत कई कर्मियों, डाटा ऑपरेटरों तथा अन्य कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें रोजाना ऑटो या बस से कार्यालय आना-जाना पड़ता है। ऐसे में कम दूरी के लिए अधिक किराया देना उनकी मजबूरी बन गई है। उनका कहना है कि यदि छपवा से मोतिहारी की लगभग 25 किलोमीटर दूरी का किराया 50 रुपये है, तो हरसिद्धि से छपवा की मात्र 7 किलोमीटर दूरी के लिए 30 रुपये लेना तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। छात्रों और अन्य यात्रियों ने आरोप लगाया कि अधिकांश वाहन संचालक किराया सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं करते और न ही किराये की कोई रसीद उपलब्ध कराते हैं। इससे यात्रियों को यह जानकारी नहीं हो पाती कि उनसे लिया जा रहा किराया निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। स्थानीय लोगों ने परिवहन विभाग से मार्गवार किराया सूची निर्धारित कर उसे सार्वजनिक स्थलों और वाहनों में प्रदर्शित कराने की मांग की है। साथ ही नियमित जांच अभियान चलाकर मनमाने किराया वसूलने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यात्रियों का आर्थिक शोषण लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम जनता को राहत दिलाने के लिए विभागीय निगरानी बढ़ाने और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

50 हजार रुपये दहेज नहीं मिलने पर टूटी शादी, प्रशासनिक व सामाजिक पहल से हुआ दहेजमुक्त विवाह

बीएनएम@ बेतिया

दहेज की मांग के कारण टूटी एक शादी आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप और सामाजिक प्रयासों से दहेजमुक्त तरीके से संपन्न हुई। यह विवाह दहेज लोभियों के लिए एक सबक और समाज के लिए प्रेरणा का संदेश बनकर सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पश्चिम चंपारण जिले के साठी प्रखंड अंतर्गत सुगांव भवानीपुर गांव में दहेज को लेकर विवाह टूट गया था। बताया जाता है कि वर पक्ष द्वारा 50 हजार रुपये की अतिरिक्त दहेज राशि की मांग की गई थी। मांग पूरी नहीं होने पर विवाह रुक गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने हस्तक्षेप किया और वर पक्ष पर कार्रवाई का दबाव बनाया गया। वहीं, चंपारण यदुवंशी महासभा की सक्रिय पहल से दोनों परिवारों के बीच पुनः वार्ता शुरू हुई। सामाजिक दबाव और प्रशासनिक प्रयासों के बाद वर पक्ष दहेजमुक्त विवाह के लिए तैयार हो गया। इसके बाद पूर्वी चंपारण जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के अहीर बलिया निवासी मदन यादव अपने पुत्र अरुण कुमार की बारात लेकर सुगांव भवानीपुर पहुंचे। यहां रीना कुमारी के साथ पूरे धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार सैकड़ों ग्रामीणों, परिजनों और शुभचिंतकों की मौजूदगी में विवाह संपन्न कराया गया। दहेजमुक्त तरीके से संपन्न हुआ यह विवाह समाज में एक सकारात्मक संदेश छोड़ गया है। स्थानीय लोगों ने इसे दहेज प्रथा के खिलाफ एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में जागरूकता बढ़ेगी और दहेज जैसी कुप्रथा पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

कर्मचारी के अभाव में उप डाकघर में लटका ताला, निवेशकों व ग्राहकों की बढ़ी परेशानी

बीएनएम@ बेतिया

शहर के लालबाजार स्थित उप डाकघर में पिछले दो दिनों से ताला लटका होने के कारण जमा-निकासी समेत अन्य सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं। इससे ग्राहकों, निवेशकों तथा राष्ट्रीय बचत अभिकर्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संवाददाता द्वारा स्थल निरीक्षण के दौरान उप डाकघर बंद पाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लंबे समय से कर्मचारियों की कमी के कारण यहां की व्यवस्थाएं प्रभावित हैं। उनके अनुसार इस उप डाकघर में प्रतिदिन लगभग 15 से 20 लाख रुपये का लेन-देन होता है। शहर के मध्य स्थित होने के कारण यह डाकघर आम लोगों, जमाकर्ताओं, निकासीकर्ताओं और अभिकर्ताओं के लिए काफी सुविधाजनक रहा है। राष्ट्रीय बचत अभिकर्ता संघ के जिला सचिव कुमार नृपेंद्र ने बताया कि लालबाजार उप डाकघर में नियमित संचालन की समस्या 13 अप्रैल 2026 से शुरू हुई थी। उस समय बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में तत्कालीन डाकपाल को तत्कालीन डाक अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद केयरटेकर डाकपाल रविशंकर पांडे के जिम्मे संचालन की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि 1 जून 2026 से रविशंकर पांडे चिकित्सीय अवकाश पर चले गए, जिसके बाद उप डाकघर का संचालन पूरी तरह ठप हो गया। इस संबंध में प्रधान डाकघर के डाकपाल रामकिशोर प्रसाद ने बताया कि प्रतिनियुक्त डाकपाल का यूजर आईडी जनरेट होने में तकनीकी समस्या आ रही थी, जिसके कारण लालबाजार उप डाकघर का संचालन बाधित हुआ। उन्होंने आश्वासन दिया कि तकनीकी समस्या दूर होते ही डाकघर का नियमित संचालन पुनः शुरू कर दिया जाएगा।

भारत-नेपाल सीमा पर भेलाही पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 189 लीटर नेपाली शराब बरामद

बीएनएम@ रामगढ़वा

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे भेलाही थाना क्षेत्र में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 189 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की है। यह कार्रवाई ग्राम कुकुहिया स्थित एक बांसवारी में की गई, जहां तस्करों द्वारा शराब की खेप छिपाकर रखी गई थी। थानाध्यक्ष गौरव कुमार के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने 630 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही शराब कारोबारी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात तस्कर के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बरामद शराब की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बांसवारी में छापेमारी की गई, जहां से शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। फरार कारोबारी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

सीमा क्षेत्र में बढ़ी चौकसी- इस सफलता के बाद नेपाल सीमा से जुड़े संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने गश्त और वाहन जांच अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार से होने वाली तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने अभियान में शामिल टीम को सराहना देते हुए आगे भी इसी तरह सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया है।

ट्रांसफार्मर जलने से दो दिनों से अंधेरे में डूबा इलाका, उपभोक्ताओं में आक्रोश

बीएनएम@ तुरकौलिया

कवलपुर नहर के पास लगा विद्युत ट्रांसफार्मर जल जाने से क्षेत्र के सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति पिछले दो दिनों से ठप है। भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने जले हुए ट्रांसफार्मर को अविलंब बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल करने तथा अतिरिक्त 100 केवीए का एक नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने जले हुए ट्रांसफार्मर के समीप विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में विभागीय जेई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए। तुरकौलिया मध्य पंचायत के बसवरिया टोला, पूर्वारी टोला और शर्मा टोला में बिजली आपूर्ति ठप होने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। स्थानीय उपभोक्ताओं ठाकुर प्रसाद, प्रभात कुमार, इनर साह, पूजन चिंगारी, विनोद पासवान, प्रभू साह, भोला पटेल, कमलेश प्रसाद, सुभाष पासवान, अजय साह, निखिल कुमार, संतोष कुमार और दिनेश प्रसाद ने बताया कि क्षमता से अधिक लोड होने के कारण हर दो-तीन महीने में ट्रांसफार्मर जल जाता है। ग्रामीणों के अनुसार बसवरिया टोला, शर्मा टोला और पूर्वारी टोला के अलावा तुरकौलिया चौक से लेकर सेनवरिया पेट्रोल पंप तथा बाजार मस्जिद तक लगभग 500 से 600 घरों को इसी एक 63 केवीए ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति की जाती है। इसके अतिरिक्त इसी लाइन से दो पेट्रोल पंप, दो चिरान मिल और एक धर्मकांटा भी संचालित होता है। अत्यधिक भार के कारण ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले एक-दो वर्षों से कवलपुर नहर के पास एक अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। वहीं लो-वोल्टेज की समस्या के कारण फ्रीज, मोटर, कूलर और पंखे जैसे विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा बना रहता है। मोबाइल चार्जिंग, बच्चों की पढ़ाई, सिंचाई और धान रोपाई का कार्य भी प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में विद्युत विभाग के कनीय अभियंता (जेई) राघवेंद्र कुमार ने बताया कि ट्रांसफार्मर को जल्द बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उपभोक्ताओं की समस्या का शीघ्र समाधान हो सके।

वाल्मीकि नगर में 108 फीट ऊंचे हाई मास्ट नेशनल फ्लैग का लोकार्पण

बीएनएम@ बगहा

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित वाल्मीकिनगर में 108 फीट ऊंचे हाई मास्ट नेशनल फ्लैग का भव्य लोकार्पण किया गया। बाल्मीकि सभागार (कन्वेंशन सेंटर) परिसर में स्थापित विशाल तिरंगे के लहराने से पूरे क्षेत्र में उत्साह, गौरव और राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी यह आकर्षण का नया केंद्र बन गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने में वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके लगातार प्रयासों से यह हाई मास्ट नेशनल फ्लैग स्थापित हो सका। सांसद सुनील कुमार ने कहा कि 108 फीट ऊंचे पोल पर 16×24 फीट आकार का तिरंगा न केवल परिसर की सुंदरता बढ़ा रहा है, बल्कि यहां आने वाले लोगों में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना भी जागृत करेगा। कार्यक्रम में जदयू नेता राकेश सिंह, बीरेंद्र कुशवाहा, पशुपति नाथ गुप्ता, मुन्ना सिंह, रविंद्र सिंह पटेल, चंदन कुशवाहा, रंजन यादव, अखिलेश कुमार साह, श्रेयांशु कुमार समेत अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सांसद को बधाई दी।

एलआईसी कार्यालय में गार्ड की बंदूक से चली गोली, युवक घायल

बीएनएम@ बेतिया

शहर स्थित सेंट्रल बैंक परिसर के पास एलआईसी कार्यालय में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। कार्यालय में तैनात सुरक्षा गार्ड की बंदूक से अचानक गोली चल गई, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान पिपरिया गांव वार्ड संख्या 12 निवासी 45 वर्षीय उपेंद्र चौधरी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि उपेंद्र चौधरी अपने एलआईसी से संबंधित निजी कार्य के सिलसिले में कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान वहां तैनात गार्ड की बंदूक से अचानक फायरिंग हो गई। गोली उपेंद्र चौधरी के दाहिने हाथ और पेट में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों की मदद से उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना अचानक हुई, जिससे कार्यालय परिसर में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। संयोगवश उपेंद्र चौधरी अपने बीमा संबंधी कार्य के लिए कार्यालय पहुंचे थे और इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोली सुरक्षा गार्ड की बंदूक से चली है। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है।

नहर की जमीन पर अतिक्रमणकारियों को नोटिस, एक सप्ताह में हटाना होगा कब्जा

बीएनएम@ सुधांशु कुमार

बनकटवा। वर्षों से नहर की सरकारी भूमि पर दुकानें और अन्य अस्थायी-स्थायी ढांचे बनाकर कारोबार कर रहे लोगों के खिलाफ अब सिंचाई विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। घोड़ासहन नहर अवर प्रमंडल, छौड़ादानो-03 द्वारा नहर क्षेत्र की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत नहर की जमीन पर कब्जा जमाए लोगों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार घोड़ासहन शाखा नहर के बांध एवं नहर क्षेत्र की सरकारी भूमि पर कई स्थानों पर अतिक्रमण किया गया है। वर्षों से कुछ लोगों ने नहर की जमीन पर दुकानें, झोपड़ियां और अन्य निर्माण कर व्यवसाय शुरू कर रखा है। इससे न केवल सरकारी भूमि का अवैध उपयोग हो रहा है, बल्कि नहर के रखरखाव और संचालन में भी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाकर भूमि खाली कर दें। यदि तय अवधि के बाद भी कब्जा बरकरार पाया गया तो विभाग प्रशासनिक सहयोग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा। इस दौरान होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान के लिए संबंधित अतिक्रमणकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। घोड़ासहन नहर अवर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता राजेश कुमार ने बताया कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां नहर की भूमि पर अवैध कब्जा पाया जा रहा है, वहां नोटिस जारी किया जा रहा है। निर्धारित समय के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित अंचलाधिकारी को पत्र भेजा जाएगा तथा प्रशासनिक सहयोग से अतिक्रमण हटाया जाएगा। विभाग की इस कार्रवाई से नहर किनारे वर्षों से कारोबार कर रहे दुकानदारों और कब्जाधारियों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों की निगाहें अब विभाग की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

आरक्षण का मुद्दा गरमाया

चुनाव प्रचार में इन दिनों आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आरक्षण को सबसे निचले वर्गों की जातियों को आर्थिक तथा राजनीतिक संबल प्रदान करने के लिए वैधानिक तौर पर आरक्षण प्रदान किया गया था।
बाद में आरक्षण का विस्तार होता गया और इसमें नये-नये जाति समूह शामिल होते चले गए।आरक्षण प्राप्त करने के लिए जाट और मराठा जैसे शक्तिशाली समूहों को आंदोलन की राह पकड़नी पड़ी। दरअसल, जो आरक्षण निचली पायदान पर खड़े जाति समूहों के उत्थान के लिए था, वह सभी जाति समूहों के लिए राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने का हथियार बन गया। कहने की जरूरत नहीं है कि आज आरक्षण भारतीय समाज के एक बहुत बड़े वर्ग में असंतोष और चिंता का कारक बना हुआ है। हिन्दू समाज के अनारक्षित जाति समूह मानते हैं कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है।
ऐसी सूरत में एक ऐसे आर्थिक ढांचे पर बल दिए जाने की जरूरत थी जिसमें बिना आरक्षण की सीढ़ी के सभी निचले वर्ग के लोगों को उत्थान के अवसर प्राप्त हों और जातीय आग्रह सामाजिक विग्रह के कारण न बनें लेकिन अब आरक्षण की नीति एक चिंताजनक मोड़ पर ले आई है। एक ओर जहां कांग्रेस के नेता विशेषकर राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण खत्म कर देंगे। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस ने आरक्षण को मुस्लिम तुष्टिकरण का नया औजार बना लिया है।
वह बार-बार कर्नाटक का उदाहरण दे रहे हैं जहां कांग्रेस ने सभी मुस्लिम जातियों को पिछड़े वर्ग में शामिल करके पिछड़े वर्ग के कोटे से ही 4 प्रतिशत का आरक्षण दे दिया जिसे बाद में भाजपा सरकार ने निरस्त कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जहां भाजपा सरकार के फैसले पर रोक लगा दी गई है। मोदी अपनी हर सभा में खुलकर कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो दलित और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त कर मुसलमानों को दे देगी। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लेकिन कांग्रेस ने चोर दरवाजे से कर्नाटक में आरक्षण देकर जो कदम उठाया है, उसके दुष्परिणाम समझ नहीं पा रही। बेशक, भाजपा को विरोध का बड़ा चुनावी मुद्दा मिल गया है।

आखिर योगी आदित्यनाथ ने आतातायियों को दिया सख्त संदेश

मनोज कुमार अग्रवाल

आखिर यूपी पुलिस ने बकरीद के दिन एक सत्रह साल के हिन्दू छात्र की चाकू घोंप कर नृशंसता भरी बर्बर हत्या करने वाले मुख्य हत्यारे असद का एनकाउंटर कर अराजक हिंसक तत्वों को कड़ा संदेश दे दिया है। उधर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने सूर्या प्रताप चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए स्पष्ट और सख्त लहजे में कहा है कि दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बिजनौर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस मामले पर कड़े निर्देश दिए उन्होंने शोहदों और ऐसे अपराध करने वाले युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि नालायक औलादों को समझाना जरूरी है, वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। सरकार कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहींजाएगा संदेश साफ है कि यूपी कोबांग्लादेश या पाकिस्तान समझना भूल होगी। बर्बरता और जघन्यता का माकूल जबाव पुलिस बिना देरी के देगी।
आपको बता दें देश के कई इलाकों में जिस तरह की सांप्रदायिक नफरत और प्रतिशोध से भरी वारदातें सामने आती हैं उस से लगता है कि इन वारदातों के पीछे कोई ऐसी पूरी सुनियोजित साजिश रहती है जो नफरत और खूनी दरिंदगी भरी मानसिकता का बीजारोपण करती है पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इस से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ऐसी कई बर्बरता भरी वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है जिनसे लगता है कि कानूनी सख्ती के बावजूद दरिंदों में पुलिस और कानून का रंचमात्र भय नहीं है। ताज़ा घटनाक्रम में गाजियाबाद से एक बेहद सनसनीखेज और कलेजा कँपा देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन एक 17 वर्षीय हिंदू किशोर, सूर्या चौहान की उसके ही पूर्व परिचित मुस्लिम दोस्तों ने बेरहमी से चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने से ठीक पहले कट्टरपंथी हमलावरों ने पीड़ित से पूछा, "क्या तुमने कभी बकरा हलाल होते देखा है? आज तुझे दिखाते हैं।"
आरोप है कि यह कहते ही उन्होंने सूर्या पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने रविवार के तड़के मुख्य आरोपी असद को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है इस से पहले 3 नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया और 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया ।
आपको बता दें मृतक सूर्या चौहान मूल रूप से एटा का रहने वाला था। वह नवनीत विहार, खोड़ा में अपनी माँ, बड़े भाई यश चौहान और छोटी बहन के साथ रहता था। उसके पिता कौशलेंद्र की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सूर्या 11वीं कक्षा का छात्र था। जानकारी के मुताबिक, करीब 8 महीने पहले सूर्या का पड़ोस में रहने वाले असद नाम के युवक से किसी बात पर मामूली विवाद हुआ था। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के

लिए असद ने बकरीद के पवित्र दिन को चुना। 28 मई की दोपहर को असद ने सूर्या को फोन किया। उसने सूर्या को बकरीद की पार्टी के बहाने मिलने के लिए चौधरी स्कूल के पास वाली गली नंबर 2 में बुलाया।सूर्या अपने दोस्त आयुष और विक्की के साथ असद से मिलने पहुँचा था। विक्की और आयुष ने आँखों देखा हाल बताते हुए बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया। विक्की ने बताया कि जैसे ही वे गली में पहुँचे, वहाँ पहले से ही असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक समेत 5 से 6 मुस्लिम युवक हथियारों के साथ घात लगाकर बैठे थे बताया जा रहा है कि आते ही उन्होंने सूर्या को चारों तरफ से दबोच लिया। इसके बाद उन्होंने सांप्रदायिक और हिंसक टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? बताया गया है कि आरोपितों ने चिल्लाते हुए कहा कि आज बकरीद है और आज कुर्बानी इस हिंदू लड़के की देंगे। यह कहते ही सभी आरोपितों ने सूर्या पर बड़े चाकुओं से हमला बोल दिया। उन्होंने सूर्या के पेट, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ कई वार किए। हमला इतना बर्बर था कि चाकुओं की गोदने की वजह से सूर्या की आंतें तक बाहर आ गईं।मौके पर चीख-पुकार और शोर मच गया। शोर सुनकर पास ही मौजूद सूर्या का भाई यश चौहान और उसकी माँ दौड़ते हुए घटना स्थल की तरफ भागे। परिजनों को अपनी तरफ आता देख सभी मुस्लिम हमलावर खून से लथपथ सूर्या को तड़पता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गएपरिजन आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल सूर्या को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल लेकर पहुँचे। वहाँ डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद अगले दिन यानी 29 मई को दोपहर करीब 12 बजे सूर्या ने दम तोड़ दिया। सूर्या की मौत की खबर जैसे ही खोड़ा इलाके में फैली, वहाँ भारी रोष और सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई। हिंदू समाज का कहना है कि यह केवल दो गुटों की लड़ाई नहीं, बल्कि बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपको बता दें कि यूपी के गाजियाबाद और इस से सटे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में हत्या के कुछ हालिया मामलों में मुस्लिम समुदाय से जुड़े आरोपियों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्टों में इन घटनाओं को सुनियोजित या समुदाय-विशिष्ट घृणा के बजाय मुख्य रूप से आकस्मिक विवादों, पुरानी दुश्मनी या आपसी रंजिश का परिणाम बताया गया है।आपको दो माह पहले जेजे कालोनी उत्तम नगर की नृशंसता भरी वारदात याद होगी यहां हिन्दू त्योहार होली के दिन रंग-बिरंगे पानी के छींटे पड़ने और गुब्बारा लगने को लेकर दो समुदाय से जुड़े परिवारों के बीच विवाद हुआ था। इस घटना में 26 वर्षीय तरुण कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन यानि होली के दिन ही सिगरेट के विवाद में सूरज नामक 26 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में सादिक नामक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की। और अब दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बकरीद के दिन एक 16 वर्षीय छात्र सूर्या की उसके ही परिचित अशद द्वारा चाकू गोदकर हत्या कर दी गई है।
यकीनन ये वारदातें अराजक व कम्युनल अपराधियों के बढ़ते हौसले का सबूत है। एक न्यूज रिपोर्ट में मृतक की मौसी सुनीता ने कहा, मैं सबसे पहले अस्पताल गई थी। मैंने उन्हें वहां देखा। वे यह साबित करना चाहते थे कि पहले बकरे की कुर्बानी दी और अब वे इंसान की कुर्बानी देंगे। बकरीद के दिन मेरे बच्चे को धोखे से घर से बुलाया गया। फिर उससे पूछा गया कि बकरा कैसे काटा जाता है। हिंदू बच्चों को ऐसी बातों के बारे में क्या पता? हमारे बच्चों ने कभी खून-खराबा नहीं देखा। वे क्या कहते? यही कहते कि उन्होंने कभी नहीं देखा। फिर उसके पेट में चाकू घोंप दिया गया और उसकी जिंदगी वहीं खत्म हो गई।
सवाल यह है कि इस तरह की दरिंदगी और बर्बरता की सोच को कौन उकसा रहा है? बकरीद से दो दिन पहले ही गाजियाबाद से सटे हापुड़ जनपद के पिलखुवा में एक शनिदेव प्रतिमा को एक समुदाय विशेष के एक जेहादी ने तोड़ दिया बाद में सीसीटीवी कैमरे के जरिए मिले सबूत से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मनमानी घृणा और विद्वेष की बातें बहुलता से वायरल हो रहीं हैं यह एक स्वस्थ समाज की संरचना को तोड़ रहा है और परस्पर जहरीली सोच तैयार कर रहा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और इस जहर की फसल को बीजनाश करनी चाहिए यूपी की धरती पर आतंक और नफरत की फसल तैयार करने का कोई मौका नहीं मिलेगा ।
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत

अनिरुद्ध गौड़

हमारे देश के वनों में गर्मिंयों के दिनों में आग लगना एक लगातार सिलसिला है। अप्रैल का महीना शुरू हुआ कि आग से जंगल धधकने लगते हैं। जंगल की आग पर्यावरण की दृष्टि से तो खतरनाक है ही जनजीवन और बायोडायर्वसटिी की दृष्टि से भी हानिकारक है। ऐसे समय में जब जंगलों में आग लगती है तो देखा गया है कि उसकी तैयारी में सरकार विफल रही है।
देश के वनों में अप्रैल माह में आग की घटनाओं को देखें तो देश में हाल फिलहाल 361 जगह वनों में आग लगी हैं। इन घटनाओं की निगरानी को फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की साइट पर लांच बीटा संस्करण एसएनपीपी - वीआईआईआरएस का 10 अप्रैल, 2024 का भारत के वनों में लगी भीषण आग का मौजूद आंकड़ा बताता है कि सबसे अधिक आंध्र प्रदेश में 122, तेलंगाना में 55, छत्तीसगढ़ में 47, उत्तराखंड में 32, बिहार में 23, ओडिसा में 22, उत्तर प्रदेश में 17 सहित 21 राज्यों में 361 जगह आग लगी थी जो 13 अप्रैल को घट कर काबू होने के बाद 33 रह गई। 1अप्रैल को देश के वनों में 132 बड़ी आग लगी थी जो 10 अप्रैल को 361 जगह तक पहुंच गई है। अप्रैल माह में पिछले 7 दिनों का आंकड़ा देखें तो एक्टिव आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में छत्तीसगढ़ में 166, आंध्र प्रदेश में 248, मध्य प्रदेश में 207, ओडिसा में 146 और असम में 139 जगहों पर बड़ी आग लगी।
वहीं 1 नवम्बर, 2023 से 2024 में बड़ी आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में आंध्र प्रदेश में 860, मध्य प्रदेश में 719, तेलंगाना 688, महाराष्ट्र में 547 और छत्तीसगढ़ में 527 बार आग लगी, जबकि वर्ष 2022-2023 में तो पूरे देश के वनों में 12562 आग की घटनाएं हुई। जंगल की आग से वनों का क्षरण तो होता ही है बहुमूल्य वन संपदा और कार्बन भी नष्ट हो जाते हैं। वनों का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। यह देखा गया है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार जंगल की आग को मॉनिटर करने के लिए भारत में 2004 से शुरू सेटेलाइट की रिमोट सेंसिंग मोडिस अर्थात मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रो रेडियोमीटर सेंसर और 2017 से भारतीय सेटेलाइट से सम्पूर्ण भारत में एसएनपीपी-वीआईआईआरएस अर्थात सुओमी-नेशनल पोलर आर्बिटिंग पार्टनरशिप-विजिबल इंफ्रारेड इमेजिंग रेडियोमीटर सूट के साथ जीआईएस टूल्स की मदद से वनों की आग को मॉनिटर किया जा रहा है। देश का कुल 32,87,469 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्र है। नवीनतम आईएसएफआर 2021 के अनुसार देश का कुल 7,13,789 वर्ग किलोमीटर वन आवरण है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है। वन सर्वे ऑफ इंडिया का अनुमान है कि देश में 36 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र में बार-बार आग लगती रहती है। देश के करीब 4 प्रतिशत वन क्षेत्र में अधिक तो 6 प्रतिशत भाग में सबसे अधिक खतरा पाया गया है। ग्लोबल फॉरेस्ट वाच के अनुसार विश्व स्तर पर आग से वर्ष 2001 से 2022 के बीच 126 मिलियन हेक्टेयर वनों का नुकसान हुआ। इनमें वर्ष 2016 ऐसा वर्ष रहा जिसमें आग से सबसे अधिक 9.63 मिलियन हेक्टेयर वन आवरण का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में आग की घटनाओं को देखें तो 2001 से 2022 के बीच भारत में आग की घटनाओं से 35.9 हेक्टेयर वृक्ष आवरण को नुकसान और 2.15 मेगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण का नुकसान अन्य कारणों से हुआ। इसमें भी 2008 में आग से सबसे अधिक कुल 3.5 प्रतिशत वृक्ष आवरण का नुकसान हुआ।
अगर 12 अप्रैल 2021 से 8 अप्रैल 2024 के बीच आज की घटनाओं की बात की जाए तो 5,29,248 ङ्कढ्ढढ्ढक्रस् के माध्यम से बड़ी आज की घटनाएं रिपोर्ट की गई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में हर वर्ष करीब 7 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र आग लगने की घटनाओं से प्रभावित होता है। इससे बड़े स्तर पर पर्यावरणीय और आर्थिक क्षति होती है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार विश्व में सन 2010 में 3.92 गीगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण था जो पृथ्वी के 30 प्रतिशत से अधिक भू-भाग में फैला हुआ था, लेकिन 2023 में विभिन्न कारणों से 28.3 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण कम हो गया। सन 2001 से 2023 तक वैश्विक स्तर पर 488 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण की हानि हुई जो 2000 के बाद से वृक्ष आवरण में 12 प्रतिशत की कमी के बराबर है, जबकि सन 2002 से 2023 के बीच कुल 76.3 मिलियन हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन कम हो गया।
भारत की बात करें तो सन 2010 में 31.3 मिलियन हेक्टर प्राकृतिक वन थे जो कि इसकी कुल भूमि का 11 फीसद था, लेकिन वर्ष 2023 में 134 किलो हेक्टेयर आद्र प्राकृतिक वन की हानि हो गई। वर्ष 2002 से 2023 के बीच भारत में 414 हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन खो दिए। इस तरह भारत में कुल 4.1 प्रतिशत वन क्षेत्रफल कम हो गया। जिसमें 2016 और 2017 में अधिक हानि हुई। वनों में आग लगने से बड़े पैमाने पर मानवीय, पर्यावरण और आर्थिक हानि होती है। इसलिए आग फैलने से रोकना बहुत ही जरूरी है। वनों की आग को नियंत्रित करने में वही पुराने साधन और संसाधनों से आग काबू पाने के लिए राज्यों के महकमे लगे हुए हैं। तकनीक से हम बेहतर तरीके से मॉनिटर कर पा रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की तरह वनों की आग को काबू पाने के इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिलायेगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन महसूस हो सकता है। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जाएंगे। साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान देंगे। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपको फायदा हो सकता है।
वृष राशि: आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे और पढ़ाई की तरफ झुकाव बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।
मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है, आपको कुछ नया सुनने को मिलेगा। ऑफिस के दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा।
कर्क राशि: आज आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियाँ लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।
सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कोई नई जानकारी मिलेगी यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श होगा।
कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके सोचे हुए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से ख़ुशी मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ कोई परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा। आज किसी से बात करते समय अपनी भाषा में मधुरता बनाये रखें।
तुला राशि: आज का दिन आपके लिए दिन शुभ रहने वाला है। आज जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। धैर्य और विनम्रता बनाये रखें। पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी। आज आपको किसी समस्या का समाधान भी मिल सकता है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा।
वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आप धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते है। किसी विशेष काम में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज जरूरी काम को लेकर उस विषय के जानकार व्यक्ति से विचार करेगे और योजना बनाएंगे। आपकी योजनाएं सफल होने के योग हैं। परिवार से जुड़ी कोई परेशानी आज समाप्त होने के योग हैं।
धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज कोई पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। दूसरों को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। किसी भी कार्य को करने में धैर्य और समझदारी रखें। परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।
मकर राशि: आज का दिन आपके लिये फेवरेबल होने वाला है। आज आपको कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी आपको बहुत दिनों से ख्वाहिश थी। आज किसी इम्पोर्टेन्ट विषय में अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें। आज आप अपने सभी काम मेहनत, धैर्य और समझदारी से निपटा लेंगे।
कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलें तो आपको अच्छी जानकारी मिल सकती है जो आपके बहुत ही काम आएगी। आज कुछ पुरानी बातें आपको याद आ सकती हैं।
मीन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाल है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। जिसकी वजह से आपको खुद के लिए समय निकल पाना मुश्किल होगा। लेकिन काम समय से पूरा होने से आपको खुशी भी होगी। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता मिलने के योग भी हैं।

धान के कटोरे से सेब के बागानों तक: हक की लड़ाई और हाशिए पर खेती

निमिषा सिंह

आजादी के अमृतकाल से गुजरते भारत में आज जय जवान, जय किसान का नारा केवल राजनीतिक रैलियों और दीवारों पर लिखे विज्ञापनों तक सिमट कर रह गया है। सच तो यह है कि जिसे हम देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहते हैं, वह कृषि क्षेत्र आज नीतिगत उपेक्षा, आर्थिक विसंगतियों, ढांचागत विकास के क्रूर अंतर्विरोधों और जलवायु परिवर्तन के जानलेवा चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। देश का पेट भरने वाला अन्नदाता आज अपने ही वजूद को बचाने के लिए एक ऐसे दर्दनाक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ व्यवस्था चमचमाते शहरों की चकाचौंध में गांवों की सिसकियों को सुनना भूल गई है। उत्तर के मैदानी इलाकों से लेकर पूर्वोत्तर की वादियों, मध्य भारत के आदिवासी अंचलों, दक्षिण के सूखे पठारों और हिमालय की सर्द घाटियों तक, हर राज्य के किसान की आँखों में एक ही बेबसी और व्यवस्था के खिलाफ एक गहरी टीस साफ देखी जा सकती है। इसी अन्याय के खिलाफ अब देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज पर व्यवस्था के गणित को सीधी चुनौती दी गई है। देश के अन्नदाताओं को न्याय दिलाने के लिए सिफा (कंसोर्टियम ऑफ इंडियन फार्मर्स एसोसिएशन) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री प्रकाश पोहरे जी के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक जनहित याचिका (PIL) सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है, जिसका एक ही संकल्प है कि किसान अब मजबूर नहीं, आत्मनिर्भर और मज़बूत बने। इस पूरे मिशन को सिफा के संस्थापक, श्री पी. चेंगल रेड्डी जी का मार्गदर्शन मिल रहा है। देश के 60 से अधिक किसान संगठनों का नेतृत्व करने वाला सिफा पिछले 17 सालों से भारतीय कृषि की दशा और दिशा बदलने में जुटा है। एक गौरवशाली अम्ब्रेला ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर, सिफा ने निरंतर संघर्ष किया है और आज न्याय के इस धर्मयुद्ध में प्रख्यात वकील प्रशांत भूषण जी निस्वार्थ भाव से किसानों के साथ खड़े हैं, क्योंकि वो जानते हैं कि यह लड़ाई देश की मिट्टी बचाने की लड़ाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस पुकार को स्वीकार कर लिया है, जो इस संघर्ष की सच्चाई का सबसे बड़ा प्रमाण है। अदालत में पहुँचने वाली हर सौ याचिकाओं में से मुश्किल से दो स्वीकार होती हैं, और इस याचिका का स्वीकार होना ही किसानों की पहली और बड़ी जीत है। आखिर सवाल यह है कि अगर आज किसी सरकारी कर्मचारी की तनख्वाह को 15 साल पुराने स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया जाए, तो क्या उसका चूल्हा जलेगा? फिर पूरी दुनिया की भूख मिटाने वाला हमारा किसान खुद तंगहाली की बेड़ियों में क्यों जकड़ा है? साल 2012 में जो कपास 10,000 रुपये क्विंटल बिकती थी, आज डेढ़ दशक बाद उसकी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) घटाकर सिर्फ 8,110 रुपये क्यों कर दी गई? जब खाद, बीज, कीटनाशक और डीजल सब महंगे हैं, तो किसान की मेहनत कौड़ियों के भाव क्यों आंकी जा रही है? किसानी द्वारा की जा रही आत्महत्याएँ कोई इत्तेफाक नहीं हैं, बल्कि ये गलत नीतियों द्वारा किया गया क्रूर शिकार हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट से साफ कहा गया है कि MSP सिर्फ कागज पर लिखी कोई संख्या नहीं, बल्कि किसान का कानूनी अधिकार होना चाहिए, क्योंकि बिना कानूनी गारंटी की MSP, बिना धार की तलवार जैसी है। यदि हम उत्तर और पश्चिम भारत के उन राज्यों पर नजर डालें जिन्हें हम समृद्ध कहने की भूल कर बैठते हैं, तो पंजाब और हरियाणा आज इसी नीतिगत और प्राकृतिक त्रासदी का सामना कर रहे हैं। इन राज्यों ने कभी हरित क्रांति के दौर में अपनी मिट्टी की परवाह किए बिना पूरे देश का पेट भरने के लिए अपने खेतों को झोंक दिया था। लेकिन आज व्यवस्था की अदूरदर्शिता का नतीजा यह है कि वही धान-गेहूं का अत्यधिक फसल-चक्र इन राज्यों के लिए अभिशाप बन चुका है। इन दोनों राज्यों के लगभग अस्सी प्रतिशत प्रशासनिक ब्लॉकों में भूजल का इस कदर अंधाधुंध दोहन हुआ है कि पानी का स्तर चिंताजनक रूप से पाताल में चला गया है। मानो व्यवस्था ने किसान से उसका वर्तमान ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी छीन लिया हो। इस कृषि संकट का सबसे भयावह और संवेदनशील चेहरा महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्रों में देखने को मिलता है, जो कपास और सोयाबीन की खेती के बावजूद आज किसानों की कब्रगाह में तब्दील हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कृषि संकट की जड़ें संरचनात्मक अभावों में बहुत गहरी हैं, जहाँ सिंचाई परियोजनाओं की कमी के कारण लगभग 80 प्रतिशत खेती पूरी तरह वर्षा-आधारित है। जब भी मानसून दगा देता है या बेमौसम ओलावृष्टि होती है, तो किसान के अरमान खेतों में ही दम तोड़ देते हैं। लागत मूल्य में भारी बढ़ोतरी और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता के कारण कपास उत्पादक किसान आढ़तियों और निजी साहूकारों के ऐसे दुष्चक्र में फंस जाता है जिससे निकलने का उसे कोई रास्ता नहीं सूझता। संस्थागत ऋण की जटिल प्रक्रिया के कारण छोटे किसानों को मजबूरी में ऊंचे ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ता है, और जब फसल का सही दाम नहीं मिलता, तो सम्मान के साथ जीने वाला किसान हताशा में मौत को गले लगा लेता है। महाराष्ट्र में हर साल होने वाली हजारों किसानों की आत्महत्याएं हमारे आर्थिक मॉडल की नैतिक विफलता का दस्तावेज़ हैं।
पड़ोसी राज्य राजस्थान में स्थिति और भी विकट है, जहाँ देश की ग्यारह प्रतिशत कृषि भूमि होने के बावजूद सतही जल मात्र एक प्रतिशत ही उपलब्ध है। पानी की इस भीषण किल्लत के बीच राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों के किसान खारे पानी की समस्या, लगातार पड़ते सूखे और आवारा पशुओं द्वारा फसलों की बर्बादियों के बीच अपने हक का हिसाब मांग रहे हैं। गुजरात के नकदी फसलों के किसान बाजार में कीमतों के भारी उतार-चढ़ाव और महँगी होती जा रही बिजली व खाद की मार से इस कदर बेहाल हैं कि उनकी रातें खेतों की रखवाली में और दिन कर्जदारों के डर में बीतते हैं। इस संकट का सबसे संस्थागत रूप हमें हिंदी पट्टी के दो सबसे बड़े कृषि राज्यों—बिहार और उत्तर प्रदेश—में देखने को मिलता है। बिहार, जो कभी कृषि के मामले में असीम संभावनाओं से भरा था, आज नीतिगत गलतियों का सबसे बड़ा शिकार है। साल 2006 में एपीएमसी (APMC) यानी मंडी व्यवस्था को खत्म करने के बाद दावा किया गया था कि इससे निजी निवेश आएगा, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट रही। आज बिहार में मंडी व्यवस्था न होने के कारण पूरा बाजार बिचौलियों और व्यापारियों के रहमोकरम पर है। यहाँ स्थानीय बिचौलिए किसानों की बेबसी का फायदा उठाकर धान और गेहूं को MSP से आधे दामों पर खरीद लेते हैं। सरकारी खरीद के लिए बनाई गई पैक्स (PACS) व्यवस्था भी पूरी तरह वेंटलेटर पर है, जहाँ भुगतान के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है। इस आर्थिक चक्रव्यूह में फंसा बिहार का लघु किसान साल दर साल कर्ज के दलदल में धंसता जा रहा है और अंततः महानगरों में मजदूर बनने के लिए पलायन को मजबूर है।
दूसरी तरफ, देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश के किसानों की कहानी मीठे गन्ने की कड़वी सच्चाई जैसी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक का गन्ना किसान सालों से अपने भुगतान के लिए चीनी मिलों और सरकार के चक्कर काट रहा है। कानूनन 14 दिनों के भीतर गन्ने का भुगतान हो जाना चाहिए, लेकिन मिलों पर किसानों का करोड़ों रुपया बकाया रहता है। स्थिति यह है कि किसान के घर में शादी हो, बीमारी हो या बच्चों की स्कूल की फीस भरनी हो, उसे अपने ही कमाए पैसों के लिए मिल मालिकों के आगे हाथ फैलाना पड़ता है। गन्ने की बढ़ती लागत और समय पर भुगतान न होने के कारण उत्तर प्रदेश का किसान आर्थिक रूप से पंगु हो चुका है।
इसी संकट का एक दूसरा रूप हमें मध्य और पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्यों में देखने को मिलता है। छत्तीसगढ़ को हम धान का कटोरा कहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि राज्य के एक बड़े हिस्से में सिंचाई के पुख्ता साधन आज तक नहीं पहुंच पाए हैं। नतीजतन, किसान केवल साल में एक ही फसल ले पाता है। यहाँ के आदिवासी अंचलों में कोल्ड स्टोरेज की ऐसी भारी कमी है कि टमाटर और अन्य सब्जियां उगाने वाले किसान अक्सर औने-पौने दामों पर फसल बेचने या उसे सड़कों पर फेंककर रोने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फीफा विश्व कप 11 जून से, मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

एजेंसी, सेन डियागो

11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिकों में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के

महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है।

आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

एजेंसी, टांटन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी। इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये

इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था। अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

मुंबई टी20 लीग : अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

एजेंसी, मुम्बई

यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को

5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की पेरी तीन मैच खेलते ही बनाएंगी विश्व रिकार्ड

एजेंसी, सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिस पेरी के पास इसी माह 13 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। ऑलराउंडर पेरी इस टूर्नामेंट में पहले तीन मैच खेलते ही विश्वकप में 50 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम 13 जून को मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। पेरी साल 2009 से ही ऑस्ट्रेलिया की हर टीम में शामिल रही हैं। पेरी ने अब तक 47 विश्व कप मैच खेले हैं। उन्हें अपने 50 मैच पूरे करने के लिए केवल तीन और मैचों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी। टीम में तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन की जगह बाएं हाथ की नयी गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को शामिल किया गया है। जो एक हैरानी भरा कदम है कयोंकि ब्राउन को दो विश्वकप का अनुभव है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बेथ मूनी, एश गार्डनर, ताहलिया मैकग्रा और मेगन शट जैसी अनुभवी और मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही फोबे लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल जैसी युपा खिलाड़ियों को भी पहली बार टीम में जगह मिली है। ये युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और उत्साह लाएंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप 1 में रखा गया है।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी, लंदन

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज

के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा।

इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।चार्ली का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में, जहां अक्सर नियम बल्लेबाजों के पक्ष में होते हैं और बड़े स्कोर आम बात हो गए हैं, वहां एक नए गेंदबाज द्वारा 7 विकेट लेना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में राजनंदिनी फैशन ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद आई गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

महिलाओं के लिए डिजाइनर कपड़े का प्रोडक्शन और मार्केटिंग करने वाली कंपनी राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 63 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर उछल कर 64 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने पर ये 60.15 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 61 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर दो रुपये यानी 3.17 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड का 18.21 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 29 मई

के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 203.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 122.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 393.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 168.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.90 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 37 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.29 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 5.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 5.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 28.02 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 23.60 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 31.27 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 31.22 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 6.19 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.01 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 13.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

एजेंसी, नई दिल्ली/ मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक बुधवार को शुरू हुई। एमपीसी के फैसलों की जानकारी रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार, 5 जून को देंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण केंद्रीय बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में 3 से पांच जून तक चलेगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून को एमपीसी की समीक्षा बैठक में लिए गए नीतिगत निर्णयों की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक आरबीआई इस बार भी नीतिगत समीक्षा बैठक में पश्चिमी एशिया संकट और भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति की चिंताओं तथा रुपये पर दबाव के कारण रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रख सकता है। वहीं, आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि एमपीसी से इस बार रेपो रेट में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सीएमआर ग्रीन का आईपीओ, 10 जून को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

नॉन फेरस मेटल की रिसाइकिलिंग करने वाली कंपनी सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का 630.88 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में पांच जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद आठ जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि नौ जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 10 जून को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 182 रुपये से लेकर 192 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 78 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 78 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,976 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,688 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,014 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के

तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,28,58,323 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 65,42,929 शेयर रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 21.43 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 0.62 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 104.51 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 838.56 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में स्थिति बदली और कंपनी 155.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 162.39 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 5,889 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5,968.44 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6,696.66 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 6,291 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

आरबीआई ने कहा-सोना बेचने की खबरें गलत, भंडार 880.52 टन पर स्थिर

- कहा-विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए 12 अरब डॉलर का सोना बेचने की खबरें हैं झूठी

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें यह दावा किया गया था कि उसने अपने स्वर्ण भंडार का कुछ हिस्सा बेच दिया है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि उसके पास मौजूद सोने की मात्रा 880.52 टन पर अपरिवर्तित बनी हुई है। एक अमेरिकी मीडिया कंपनी ब्लूमबर्ग ने दावा किया था कि पश्चिम एशिया

में जारी संघर्ष के प्रभाव से विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा के लिए केंद्रीय बैंक ने लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य का सोना बेच दिया हो सकता है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स ने एक विश्लेषण आधार पर यह दावा किया था। केंद्रीय बैंक ने अफवाहों से बचने और प्रामाणिक जानकारी के लिए हमेशा आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट http://rbi.org.in पर जाने की अपील की है। शीर्ष बैंक ने जारी बयान में कहा कि आरबीआई के संज्ञान में मीडिया के कुछ वर्गों में ऐसी रिपोर्टें आई हैं, जिनमें रिजर्व बैंक द्वारा सोना बेचे जाने की बात कही गई है। आरबीआई इस बात पर जोर देता है कि ये रिपोर्टें सही नहीं हैं। आरबीआई ने कहा कि अपने मासिल बुलेटिन में वे सोने के भंडार की जानकारी देता है। नवीनतम जानकारी आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है,। इसका लिंक है- https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_ViewBulletin.aspx?Id=24213। आज की तारीख तक सोने का भौतिक भंडार 880.52 टन पर अपरिवर्तित बना हुआ है।

आईईपीएफए और सेबी 5 जून को भोपाल में करेंगे निवेशक शिविर का आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली । निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) भोपाल में 5 जून को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय 'निवेशक शिविर' का आयोजन करेंगे। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि आईईपीएफए का उद्देश्य इस 'शिविर' के माध्यम से निवेशकों को सशक्त बनाना और उनकी शिकायतों के निवारण तथा बिना दावे वाले लाभांश प्रक्रिया को सरल बनाना है। यह शिविर निवेशकों को बिना दावा किए गए लाभांश और शेयरों से संबंधित मुद्दों को हल करने में सहायता करने के लिए एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं प्रदान करने वाले मंच के रूप में कार्य करेगा। साथ ही, निवेशक सेवाओं और जमीनी स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र तक सीधी पहुंच को सक्षम करेगा। मंत्रालय ने कहा कि निवेशक शिविर के माध्यम से आईईपीएफए का लक्ष्य- छह से सात वर्षों से लंबित बिना दावा किए गए लाभांश और शेयरों की रिकवरी के लिए प्रत्यक्ष सहायता, मौके पर ही केवाईसी अपडेट और नामांकन संबंधी सेवाएं और लंबित आईईपीएफए दावों से संबंधित मुद्दों में तत्काल सहायता और समाधान उपलब्ध करानां शामिल है। यह कार्यक्रम वृंदावन गार्डन, होशंगाबाद रोड (एनएच-12), आर्यन विंग्स कॉलोनी, श्री रामेश्वरम, बागमुगलिया, मिसरोद, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक आवेदक नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से शिविर के लिए www.iepf.gov.in पर पंजीकरण कर सकते हैं।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना भी आज मंगलवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

राम चरण को 100 करोड़, जान्हवी को डायरेक्टर से कम पैसे, 'मिर्जापुर' के मुन्ना भईया छाए

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' 4 जून, 2026 को विश्व स्तर पर रिलीज होने वाली है, जबकि प्रीमियर 3 जून को होना है। राम चरण की यह ड्रामा फिल्म तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। पेद्दी के लिए राम चरण ने 100 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम ली है। 'आरआरआर' के बाद, तेलुगू स्टार पेद्दी में एक दमदार पहलवान के अवतार में नजर आएंगे, जो इस प्रोजेक्ट के लिए उनका अब तक का सबसे अलग रोल है। जानिए बाकी के एक्टर्स की फीस भी। इस बीच, खबर है कि लीड एक्ट्रेस के रोल में जाह्नवी कपूर को 6 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। खबरों के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू ने फिल्म 'पेद्दी' के लिए 30 करोड़ रुपये कमाए हैं। निर्देशक की यह दूसरी फिल्म होने के बावजूद यह फीस बहुत अधिक मानी जा रही है। खबरों के मुताबिक, 'मिर्जापुर' के एक्टर दिव्येंदु शर्मा ने तेलुगू पैन-इंडिया फिल्म के लिए 7 करोड़ रुपये की फीस ली है। फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले बोमन ईरानी ने कथित तौर पर 7 करोड़ रुपये लिए। फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले कन्नड़ स्टार शिव राजकुमार ने अपने अभिनय के लिए 8 करोड़ रुपये कमाए हैं। बुची बाबू सना ने एक्शन ड्रामा फिल्म 'पेद्दी' का निर्देशन किया है, जिसमें तेलुगू स्टार राम चरण हैं। उन्होंने अब खुलासा किया है कि राम चरण ने फिल्म के लिए तीन से चार महीने तक कुश्ती की ट्रेनिंग ली और इसके लिए उन्होंने उस ट्रेनर को रखा था जिसने 'दंगल' में एक्टर आमिर खान को प्रशिक्षित किया था। मीडिया से बातचीत के दौरान, बुची बाबू सना से खेल पर आधारित इस फिल्म के लिए बरती गई सावधानियों के बारे में पूछा गया। जवाब में डायरेक्टर ने कहा, 'क्रिकेट तो हम सब जानते ही हैं। लेकिन कुश्ती के मामले में हमने खास ध्यान रखा। हमने उस ट्रेनर को बुलाया जिसने फिल्म 'दंगल' में आमिर खान को ट्रेनिंग दी। हमने तेलंगाना के पहलवानों को भी टीम में शामिल किया। हमने सभी कलाकारों को ट्रेन्ड किया। राम चरण ने इस फिल्म के लिए करीब तीन से चार महीने तक कुश्ती का प्रशिक्षण लिया।' 'पेद्दी' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर लीड रोल्स में हैं। बाकी कलाकारों में शिव राजकुमार, दिव्येंदु, जगपति बाबू और बोमन ईरानी शामिल हैं। ट्रेलर दर्शकों को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के पेद्दी से परिचित कराता है। कई खेलों में बेहतरीन पेद्दी अपने लिए एक बेहतर जीवन बनाने का सपना देखता है, साथ ही व्यक्तिगत संघर्षों, कॉम्पटिशन और भावनात्मक चुनौतियों का भी सामना करता है। 'पेद्दी' को वेंकट सतीश किलारू ने प्रोड्यूस किया है।

साउथ एक्ट्रेस टैग के चलते बॉलीवुड में काम मिलने में आ रही परेशानियांः सीरतकपूर

एक्ट्रेस सीरत कपूर का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है। 31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रॉकस्टार में असिस्टेंट कोरियोग्राफर के रूप में सिनेमा में अपनी जर्नी शुरू करने वाली सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है। दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है। सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी। उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोड़ना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। सीरत ने कई तेलुगु फिल्मों में काम किया है, जैसे रन राजा रन, टाइगर, राजू गरी गांधी 2, ओक्का क्षणम और मां विंता गाधा विनुमा आदि। 2022 में, उन्होंने तुषार कपूर के साथ मारीच के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

इमरान खान की बॉलीवुड में होगी धमाकेदार वापसी, आमिर खान की फिल्म हैप्पी पटेल में लीड रोल में आएंगे नजर!

आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने अपनी पहली फिल्म जाने तू या जाने से डेब्यू किया था. पहली फिल्म के बाद से ही इमरान इंडस्ट्री में छा गए थे. उनकी डेब्यू फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. मगर उसके बाद इमरान खान का जादू लोगों पर नहीं चला और उन्होंने इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया. अब 9 साल बाद इमरान खान एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं. इस फिल्म की खास बात ये है कि इसे वीर दास डायरेक्ट कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम हैप्पी पटेल है और इससे वीर डायरेक्शन में कदम रखने जा रहे हैं. इमरान खान को लंबे समय से बड़े पर्दे पर फैंस देखने का इंतजार कर रहे थे. अब जैसे ही इमरान के कमबैक का उन्हें पता चला है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है. सभी को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है. उन्होंने गोवा में फिल्म की शूटिंग शुरू की है. इमरान के साथ फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होने वाली हैं ये अभी फाइनलाइज नहीं किया गया है. रिपोट्र्स की माने तो मोना सिंह फिल्म में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी. मोना इससे पहले ही आमिर खान की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं. वो लाल सिंह चड्ढा, 3 इडियट्स में काम कर चुकी हैं. इमरान खान की कमबैक फिल्म का नाम हैप्पी पटेल है. इस फिल्म की खास बात ये है कि इसमें आमिर खान का कैमियो भी होने वाला है. हैप्पी पटेल की बात करें तो ये कॉमेडी से भरपूर फिल्म होने वाली है. ये फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तले बन रही है. इमरान खान जल्द हैप्पी पटेल के बाद एक वेब सीरीज में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में वो स्पाइ का किरदार निभाने वाले हैं. इमरान ने कमबैक का फैसला लिया है तो उनके पास काम आना शुरू हो गया है. पर्सनल लाइफ की बात करें तो इमरान खान लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं. इमरान अब लेखा के साथ रहने लगे हैं. दोनों करण जौहर के एक अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गए हैं.

ईशा गुप्ता ने देसी आउटफिट में गिराई बिजली

एक्ट्रेस की दिलकश अदाओं ने फैंस को बनाया दीवाना

ईशा गुप्ता बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस के दिलों को कैसे चोरी करना है. आए दिन एक्ट्रेस अपनी सेक् और ग्लैमरस तस्वीरें से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं. ईशा ने डीप नेक देसी आउटफिट मल्टीकलर घागरा चोली पहनी है. लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं. माथे की बिंदी और नेकलेस उनपर काफी जच रहा है और खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है. एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स का पसीना छूटना लाजमी है. बॉलीवुड स्टार ईशा गुप्ता अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता अक्सर ही इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता का बोल्ड अवतार फैंस को भी भाता है। उनकी एक अलग ही फैन फॉलोइंग है। अदाकारा को इंस्टाग्राम पर 18 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। साथ ही ईशा के फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछर कर रहे हैं. ईशा को आखिरी बार प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 में देखा गया था.

मोहम्मद रफी के साथ गीत रिकॉर्ड करने की सूचना पर पूरी रात नहीं सोए थे अमिताभ

वर्ष 1979 में बनी फिल्म 'नसीब' में हिंदी सिनेमा के महान पार्श्वगायक मोहम्मद रफी और अभिनेता अमिताभ बच्चन ने एक गाना 'चल चल मेरे भाई, तेरे हाथ जोड़ता हूं' मिलकर गाया है। इस गाने को दर्शकों ने काफी पसंद भी किया। गाने को लेकर एक यादगार प्रसंग अब सामने आया है, जो काफी दिलचस्प है। इस गाने की रिकार्डिंग को लेकर फिल्म के संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने अमिताभ बच्चन को सूचना दी कि अगले दिन उन्हें रिकॉर्डिंग स्टूडियो में समय पर पहुंचना है, क्योंकि वहां मोहम्मद रफी के साथ गीत रिकॉर्ड किया जाएगा। यह खबर सुनने के बाद अमिताभ बच्चन बेहद उत्साहित होने के साथ-साथ भावुक भी हो गए। बताया जाता है कि उस रात वह ठीक से सो भी नहीं पाए। उनके मन में लगातार यही विचार चलता रहा कि जिस गायक की आवाज सुनते हुए उन्होंने बचपन बिताया, आज उन्हीं के साथ उन्हें गाना गाने का अवसर मिलने जा रहा है। अगले दिन जब सभी कलाकार और तकनीशियन स्टूडियो पहुंचे तो अमिताभ बच्चन सामान्य से अधिक शांत दिखाई दे रहे थे। उनकी झिझक और गंभीरता को देखकर मोहम्मद रफी स्वयं उनके पास पहुंचे और परेशानी का कारण पूछा। इस पर अमिताभ ने सम्मानपूर्वक कहा कि वह बचपन से उनके गीत सुनते आए हैं और उन्हें अपने लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं मानते। उन्होंने स्वीकार किया कि महान गायक के साथ गाने की कल्पना भर ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया। अमिताभ की बात सुनकर मोहम्मद रफी मुस्कुराए और बड़े स्नेह के साथ उनका उत्साह बढ़ाया।

समर सीजन में स्टाइलिश दिखने के लिए वॉर्डरोब में शामिल करें ये ट्रेंडिंग बैग्स

बॉ हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए.

आइये देखते हैं. हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए.

आइये देखते हैं. हैंडबैग कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं जा सकता क्योंकि यह आपके पूरे पहनावे में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है जो आपको कभी निराश नहीं करेगा. अगर आप क्लच की शौकीन हैं तो लिफाफा क्लच आपके वॉर्डरोब में होने चाहिए. यह आपको सिग्नेचर, सील्ड और डिलीवरी जैसे क्लासिक वाइब देते हैं, जो सीधे मिलान रनवे से आते हैं और दुनिया भर में छा हुए हैं. बोट्टेगा वेनेटा, गुच्ची जैसे कई लोकप्रिय लक्जरी ब्रांड ने इस तरह के क्लच लॉन्च किए हैं, जो हाल ही में मुख्य रूप से मशहूर हस्तियों और बिजनेस वुमन्स के बीच काफी हिट हो रहा है. विंटेज शोल्डर बैग वापस स्टाइल में आ गए हैं, जिन्हें बैगूएट्स भी कहा जा रहा है और पेस्टल शेड्स में ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिसमें चेरी मोचा कलर समर के लिए सदाबहार है. इन शोल्डर बैग में आपकी जरूरी चीजों के लिए न्यूनतम जगह होती है और ये समर कैजुअल के साथ या लॉन्ग और शॉर्ट ड्रेस के साथ समर डेट नाइट के लिए क्लासिक दिखते हैं. क्लीन लाइन्स और छोटी स्ट्रैप आपको एक सॉफ्ट गर्ल-एरा वाली वाइब देंगी. कार्गो बैग के प्रति ऑफिस गोइंग गर्ल्स के बीच काफी क्रेज देखने को मिलता है. खासतौर से जिन्हें हर समय अपने लैपटॉप की आवश्यकता होती है. इस तरह के बैग में सही अलाइनमेंट और सेटिंग्स दी गई होती हैं, जिससे आपके सभी आवश्यक सामानों जैसे एक लैपटॉप, पानी की बोतल और कई अन्य छोटी आसानी से आ सकती हैं. ये कार्गो-स्टाइल स्क्वायर ऑफिस टोट बैग हर लड़की के बीच वायरल है और लगभग हर किसी की अलमारी में देखे जा सकते हैं. अगर आप एक ऑफिस गर्ल हैं और अपनी दुनिया अपने बैग में रखना चाहती हैं तो क्लासिक और आकर्षक लुक देते हुए इन बैग्स को चुनें. डफ़ल या टिफ़िन बैग से इंस्पिरेशन लेते हुए, ये बकेट बैग वैनिटी से प्रतिध्वनित होते हैं. इंस्पिरेशन में किसी का वैनिटी डिज़ाइन भी शामिल हो सकता है जहां ये बकेट बैग छोटे मिनिएचर बॉक्सेस का आकार लेते हैं और एक टॉप-नॉच वाइब देते हुए काफी आकर्षक लगते हैं. इस तरह के बैग्स समर आउटफिट के पूरे लुक को निखारते हैं और दिन और रात दोनों तरह के आउटफिट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं.

No change of leadership in Punjab Congress signals stability ahead of poll

New Delhi, Agency: Sending out a message of stability ahead of the Punjab Assembly elections, the Congress leadership on Tuesday indicated that there will be no changes in the party's leadership structure in the state, as senior leaders met in Delhi to finalise the strategy and discuss key political issues.

The high-level meeting, held at Congress president Mallikarjun Kharge's residence at 10, Rajaji Marg, was attended by Leader of the Opposition Rahul Gandhi, Congress general secretary KC Venugopal, Punjab Congress in-charge Bhupesh Baghel, strategist Sunil Kanugolu and other

senior leaders. Speaking to reporters after the meeting, Baghel said Punjab remained a priority for the party because the elections were nearing and multiple rounds of discussions had been held to prepare the roadmap for the upcoming electoral battle.

Baghel also targeted the ruling AAP government, alleging that corruption remained one of Punjab's biggest issues and claiming that problems related to drugs, gangster activity and law and order had worsened despite promises of clean governance. He said the government had projected itself as a model of honesty but had failed to match those claims on the ground. The meeting comes at a time when the Congress is attempting to regain lost political ground in Punjab while simultaneously countering an electorally stronger AAP, which significantly improved its performance in the recent local body polls.

The local body election results have emerged as a concern for the Congress. Of the 1,997 wards that went to the polls, the Congress managed to win only 393, a sharp fall from the 1,432 wards it had won five years ago. In contrast, AAP expanded sharply from 69 wards to 954, strengthening its grassroots presence ahead of the Assembly elections, expected next year. The BJP also improved its tally from 49 wards to 172.

Despite the setback, Congress leaders believe Punjab's electoral history offers room for optimism. Leaders point out that strong performances in the civic elections have not always translated into Assembly victories.

SC sets up expert panel on Aravalis petitioners question its independence

New Delhi, Agency: In search of a new expansive definition of 'Aravali hills and ranges' after dropping the earlier court-accepted controversial 100m height criteria, Supreme Court has entrusted the task to a five-member high-powered committee that'll include experts from Indian Council of Forestry Research & Education, Forest Survey of India and Geological Survey of India. A bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and Vipul M Pancholi said while the DG of ICFRE will be ex-officio chairperson, the other members would be FSI ex-DG Subhash Ashutosh, GSI's former director Rajendra K Sharma, MoEF ex-joint secretary Brij Mohan Singh Rathore and Ashok K Bhatnagar, former head of botany, DU. The committee is to submit its report by Aug 31.

Environmentalists, two of whom are petitioners in the case, asked how a panel led by a bureaucrat who reports to govt could fulfil the objective of a "fair, impartial and independent" assessment.Committee to assess impact of 'regulated mining' in newly-marked Aravali areas The committee is mandated mainly to examine the ecological validity of both the 100metre elevation and 500-metre gap criteria applied by the earlier panel's report, which was accepted by SC in its Nov 20 last year judgment. The CJI-led bench had stayed the operation of that definition.

HPC would examine "whether the widely publicised criticism asserting that only 1,048 hills out of 12,081 in Rajasthan meet the 100-metre elevation threshold, thereby stripping the remaining lower ranges of environmental protection, is factually and scientifically accurate".

Importantly, HPC will analyse "whether 'sustainable mining' or 'regulated mining' within the newly demarcated Aravali areas, notwithstanding regulatory oversight, would result in any adverse ecological consequences" and also carry out a detailed identification of the territories that would be excluded from protection under the new definition of Aravali, keeping in view its ecosystem and biodiversity. The bench said, "HPC is expected to objectively assess the implications of the measures contemplated and assist this court in determining whether their implementation may give rise to ecological, environmental, or other consequences that may subsequently prove difficult, if not impossible, to reverse."

Married daughter entitled to compassionate job: SC

New Delhi, Agency: Supreme Court Tuesday ruled that a dependent married daughter could not be excluded from the definition of 'family' and would be entitled to seek employment or allotment of a ration shop if any of her parents died in harness.A bench of Justices P S Narasimha and Alok Aradhe faulted a provision of a UP govt order relating to allotment of PDS shop on dependent quota for excluding married daughters from the definition of 'family' and said it breached the doctrine of equality embedded in the constitutional framework. "Exclusion of a married daughter from the definition of 'family' cannot be sustained," it said.

Writing the judgment, Justice Aradhe said marital status bore no rational nexus to the status of dependency and the object of compassionate appointment or allotment of ration shops, which is to enable the family to overcome financial hardship caused due to death of the bread earner.

The bench said marriage neither extinguished the bond between a daughter and her parental family nor furnished a valid basis to presume absence of dependency. The UP govt order included "unmarried, legally separated and widowed daughters" as dependents.

BJP shares AI video mocking DK Shivakumar ahead of Karnataka swearing-in

New Delhi, Agency: Ahead of Congress leader DK Shivakumar's oath-taking ceremony as Karnataka chief minister on Wednesday, the BJP launched a sharp attack on the Congress government through a series of posts on X, criticising and alleging failures in governance. In an AI-generated video shared late Tuesday night, BJP Karnataka depicted DK Shivakumar travelling in a SUV in waterlogged roads. In another post, BJP Karnataka accused the Congress government of neglecting farmers ahead of the monsoon season. The party alleged that the state government had failed to ensure the supply of adequate and quality seeds and fertilizers, while also not providing compensation to farmers who suffered crop losses due to rain. "The state Congress government has completely neglected farmers.

Over 550 Indian peacekeepers in South Sudan awarded UN Medal of Honour

New Delhi, Agency: At least 565 Indian peacekeepers, including 53 women, serving with the UN Mission in South Sudan (UNMISS) have been honoured for their dedication and commitment to protecting civilians and supporting peacebuilding efforts in the conflict-affected country.

The peacekeepers were recognised for their efforts in "protecting civilians through patrols, community engagement, veterinary camps, women's self-defence training, combating gender violence, and improving humanitarian access", the UN body said.

Blue Helmets refers to military personnel, police officers and civilian experts serving under the operational command of the UN peacekeeping forces.

Praising the awards, the Permanent Mission of India to the UN congratulated the Indian contingent. "Indian Blue Helmets have consistently upheld the highest standards of professionalism in all their spheres of operation," the mission said in a social media post. India is the second largest contributor of uniformed personnel to UN peacekeeping operations, after Nepal.

It currently contributes more than 4,200 military and police personnel, including 155 women, across missions in Abyei, the Central African Republic, Cyprus, Congo, Lebanon, the Middle East, Somalia, South Sudan and Western Sahara. Nearly 180 Indian peacekeepers have lost their lives in the line of duty, the highest number among troop-contributing countries.

Qatar ambassador made envoy to Saudi Arabia

New Delhi, Agency: India's ambassador to Qatar, Vipul, has been appointed the next Indian ambassador to Saudi Arabia, govt said in an official announcement on Tuesday. An IFS officer of 1998 batch, Vipul is expected to take up the new assignment soon.

The appointment is significant as this is the first time that a non-Muslim will head India's diplomatic mission in Riyadh. While India has mostly appointed career diplomats as ambassador to the Kingdom, political appointees have also served as envoys in Riyadh. MOH Farook served as Indian ambassador from 2004 to 2009 and former Mumbai police commissioner Ahmad Javed from 2016 to 2019. Vipul has served in Indian missions in Cairo, Colombo, Geneva and Dubai. He has also headed MEA's Gulf division.

CBSE debacle: Teen 'cyber security researcher' flags NTA portal vulnerabilities

New Delhi, Agency: NTA on Tuesday scrambled to patch up vulnerabilities in its NEETUG portal which were highlighted by a teen "cyber security researcher", who warned that the chink could potentially be exploited to hack sensitive information.

There was a weakness that had briefly affected the website but it has since been fixed, NTA sources told Media on a day a barrage of cyber attacks was unleashed on CBSE's website.

Rylen Anil, identifying himself as a 16 year-old "cyber security researcher", sounded the warning on X. Interestingly, he is followed by the NTA administration.

The agency, reeling under criticism over the paper leak, moved fast to plug the crack which could have po-tentially helped outsiders access details linked to examination observers, centre coordinators and test centres - including names, mobile numbers and email addresses. Sources, in the agency acknowledged the repair job, but stopped short of endorsing Anil's statement about the damage it could have caused.

Anil alleged that the vul-nerabilities may have enabled actions such as exporting internal records, generating appointment letters, modifying observer data, uploading templates and managing administrative mappings linked to the examination process, triggering concern among students, parents and cybersecurity observers.

As screenshots and allegations circulated online, several users reported that the re-examination portal link had temporarily stopped working and was displaying a "404 Not Found" message. The development further fuelled speculation online regarding possible backend intervention or emergency technical changes. In the evening, NTA officials maintained necessary corrective measures were implemented and the portal was functioning normally.

ED searches at Vedanta premises in three cities

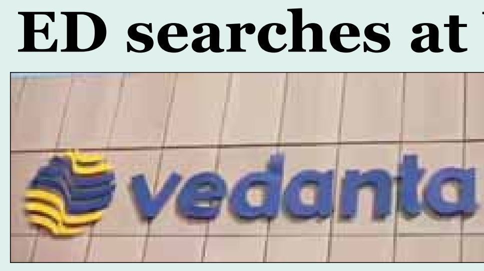

New Delhi, Agency: Several premises of industrialist Anil Agarwal-led Vedanta Ltd in Delhi, Mumbai and Udaipur were on Monday searched by Enforcement Directorate (ED) in a suspected FEMA violation case involving transactions related to brand royalty between the UK-based Vedanta Resources and its Indian subsidiary Vedanta Ltd.

The enforcement agency officials carried out a survey, searching for evidence on suspected remittances made in violation of Foreign Exchange Management Act (FEMA).

A spokesperson for Vedanta said: "We are extending full cooperation to the authorities and are providing all information sought. The company remains committed to compliance with all applicable laws and regulations. As the matter is currently under regulatory process, we are unable to comment further at this stage."

Ladakh talks talk of the town in Kashmir

Mehbooba gives unity call in letter to Omar

Srinagar, Agency: Ladakh talks have become talk of the town in Srinagar.

Former J&K CM and PDP president Mehbooba Mufti has written to CM Omar Abdullah and all other political parties urging them to unite and make an appeal to the prime minister and the home minister, "to initiate a meaningful and sustained engagement with the people of Jammu and Kashmir".

While she has urged the CM to convene an all-party meeting on the lines of Ladakh, she has also sepa-

rately written to heads of Congress, BJP, Peoples Conference AAP, Awami Ithaad Party, CPM, Panthers Party as well as civil society groups, including Pandit and Sikh Community representatives, asking them to set aside differences in the larger interest of people and get united.

"The recent breakthroughs achieved by the Leh Apex Body and the Kargil Democratic Alliance in their engagement with the Govt of India offer an important lesson: sincere dialogue can lead to meaningful outcomes," Mehbooba's letter to them said. "Today, Jammu & Kashmir once again stands at a critical juncture in its history. A deep sense of despair, uncertainty and disillusionment has taken hold across the region. In these circumstances, it is imperative we build a broad consensus to help steer J&K out of the current impasse," she said.

In her letter to the CM, she said she had sought an appointment with him but due to his preoccupation, it has not been possible. "Therefore, I am taking the liberty of writing to you since time is running out and we cannot afford to delay things any further," the letter says.She urged the CM "as head of state" to initiate the much-needed process of bringing all parties together through an official meeting.